सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05 : 44

अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 339 नई दिल्ली, शुक्रवार 13 नवम्बर-2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
` मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

# विकसित भारत के लक्ष्य के लिए 2047 की 'डेडलाइन' पर चल रहा है देश : मोदी

किसी काम भी काम के लिए डेडलाइन बहुत जरूरी है, इससे काम में एक अनुशासन आता है : पीएम मोदी

**नई दिल्ली.ओपन सर्च**



**मोदी ने देशवासियों के सहयोग और शक्ति से यह डेडलाइन पूरी करने के प्रति पूर्ण विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि देश जिस गति से पिछले 12 साल में आगे बढ़ा है उससे यह विश्वास पक्का हुआ है कि भारत के लिए अब कुछ भी असंभव नहीं है**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आजादी के सौ साल पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के अपनी सरकार के संकल्प को दोहराते हुए गुरूवार को कहा कि इसके लिए देश 2047 की डेडलाइन लेकर चल रहा है। उन्होंने इसकी तुलना मीडियाकर्मियों के रोज समाचार भेजने और छापने की डेडलाइन (समयसीमा) से की।

मोदी ने देशवासियों के सहयोग और शक्ति से यह डेडलाइन पूरी करने के प्रति पूर्ण विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि देश जिस गति से पिछले 12 साल में आगे बढ़ा है उससे यह विश्वास पक्का हुआ है कि भारत के लिए अब कुछ भी असंभव नहीं है।

मोदी यहां भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय पर पत्रकारों के लिए आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी काम भी काम के लिए डेडलाइन बहुत जरूरी है, इससे काम में एक अनुशासन आता है। उन्होंने कहा, 'समाचारों की दुनिया में एक चीज बहुत जरूरी होती है, वो है डेडलाइन। आपकी पूरी जिंदगी डेडलाइन पर चिपकी हुई रहती है। अखबार छपने का समय हो, या स्टोरी ब्रॉडकास्ट करने का, सबकी डेडलाइन तय होती है।' स्वागत संबोधन भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिया और समारोह में पार्टी के तीन पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह (रक्षा मंत्री), अमित शाह (गृह मंत्री) और जगत प्रवेश नड्डा (स्वास्थ्य मंत्री) भी उपस्थित थे। मोदी ने राष्ट्रनिर्माण में मीडिया की भूमिका के महत्व को रेखांकित करते हुए उससे भारत की विकास की कहानी को देश-दुनिया में फैलाने का आग्रह किया।

उन्होंने मीडिया से नशामुक्ति अभियान में योगदान करने और सामाजिक एकता को मजबूत करने में अपना योगदान करने की पुरजोर अपील भी की। प्रधानमंत्री ने विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में 12-13 साल में 50 करोड़ लोग निपट गरीबी के गर्त से बाहर आए हैं।

## प्रधानमंत्री मोदी अगले हफ्ते आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के लिए जाएंगे फिलीपींस

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते फिलीपींस का दौरा करेंगे, जहां वह 23वें 'एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस' (आसियान)-भारत शिखर सम्मेलन और आसियान के नेतृत्व वाले 'ईस्ट एशिया समिट' (पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन) की 21वीं बैठक में हिस्सा लेंगे।

विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (ईस्ट) रुद्रेंद्र टंडन ने गुरुवार को नई दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान बताया कि यह दौरा 16 से 18 नवंबर तक होगा। रुद्रेंद्र टंडन ने कहा, आसियान के सभी 11 सदस्य देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध हैं। आसियान क्षेत्रीय मंच के साथ जुड़ाव को हम अपनी 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के एक अहम हिस्से या आधार के रूप में देखते हैं। मनीला में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर द्वारा मेहमानों के लिए आयोजित रात्रिभोज शामिल होगा। इसके अगले दिन आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन होंगे और इस दौरान अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। उन्होंने कहा, भारतीय समुदाय की ओर से भी प्रधानमंत्री से मिलने की काफी मांग है, इसलिए हम उनके कार्यक्रम में इसे भी शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। टंडन ने बताया कि आसियान भारत के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है और इस पूरे क्षेत्र के साथ भारत का व्यापार लगभग 122 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा, भारत में हमारा दृढ़ विश्वास है कि हिंद महासागर से जुड़ा देश होने के नाते, जो दक्षिण-पूर्व एशिया के इस अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र के करीब है, आसियान सदस्य देशों के साथ मजबूत रणनीतिक संबंध होना–चाहे वह पूरे समूह के स्तर पर हो या अलग-अलग देशों के साथ–हम दोनों के लिए फायदेमंद है।

# भविष्य की जंग में प्रौद्योगिकी, चौंकाने की क्षमता और तीनों सेनाओं का तालमेल होगा अहम : राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली.ओपन सर्च**



- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वायु सेना कमांडरों के सम्मेलन में कहा कि उभरते खतरों के मद्देनजर परिचालन तत्परता बढ़ाने के लिए चौंकाने वाली कार्यशैली तकनीकी श्रेष्ठता और संयुक्तता महत्वपूर्ण**
- **रक्षा मंत्री ने उड़ान द्वारा परिचालन, प्रशासन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित आंतरिक एआई अनुप्रयोगों का शुभारंभ किया**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा बलों से पारंपरिक और उभरते खतरों के मद्देनजर परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए 'चौंकाने वाली कार्यशैली' के आक्रामक और रक्षात्मक दोनों पहलुओं को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि तीव्र तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध की बदलती कार्यशैली को देखते हुए रक्षा बलों को अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा।

नई दिल्ली में वायु सेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने खुफिया एवं निगरानी क्षमताओं को लगातार सुदृढ़ करने, विभिन्न प्रणालियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संभावित खतरों के सामने आने से पहले ही उनकी पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा, हमारे रक्षा बलों को ऐसी क्षमताएं और कार्यप्रणालियां विकसित करनी होंगी जो दुश्मन को प्रतिक्रिया देने या संभलने का समय ही न दे।

इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हम दुश्मन की किसी अप्रत्याशित कार्रवाई से कभी अचंभित न हों। चौंकाने वाला तत्व पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक, दोनों प्रकार से सामने आ सकता है। हमारी खुफिया एवं निगरानी प्रणालियों को और अधिक मजबूत करने तथा परिचालन तैयारियों को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य हमारे जवानों को सतर्क, चुस्त और किसी भी उभरती चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम बनाना है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि समकालीन संघर्ष पारंपरिक युद्धक्षेत्रों से आगे बढ़कर गैर-संपर्क वाले क्षेत्रों तक विस्तारित हो रहे हैं। इसमें मिसाइलें, ड्रोन और उन्नत हथियार प्रणालियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास संघर्षों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियां आधुनिक युद्ध के महत्वपूर्ण घटक बनकर उभरी हैं। उन्होंने कमांडरों से कामिकेज़ ड्रोन, निगरानी तथा ड्रोन-रोधी अभियानों जैसी उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना से इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और अंतरिक्ष सहित युद्ध के उभरते क्षेत्रों के लिए समर्पित सिद्धांत एवं ढांचा विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में बेहतर तैयारी भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता को मजबूत करेगी।

# सीएम धामी ने थत्यूड़ में किया नौवें जौनपुर महोत्सव का शुभारंभ



**टिहरी.एजेंसी**

मुख्यमंत्री धामी ने थत्यूड़ में किया नौवें जौनपुर महोत्सव का शुभारंभ, 52.55 करोड़ की 26 विकास योजनाओं की दी सौगात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को टिहरी गढ़वाल के धनौल्टी विधानसभा क्षेत्र के थत्यूड़ में आयोजित नौवें जौनपुर महोत्सव एवं क्रीड़ा-सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने 52. 55 करोड़ रुपये की 26 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री धामी ने गुरुवार को जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र धनौल्टी के अंतर्गत थत्यूड़ में आयोजित नौवें जौनपुर महोत्सव एवं क्रीड़ा-सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 52.55 करोड़ की 26 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 3050.63 लाख की 11 योजनाओं का लोकार्पण तथा 2204.62 लाख की 15 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। ये योजनाएं सड़क निर्माण एवं सुधारीकरण, शिक्षा, सिंचाई, पार्किंग, पशुपालन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को जौनपुर महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं, लोककला और लोक संगीत के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है। साथ ही खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

# राष्ट्रपति मुर्मु ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी छात्रों से संवाद किया

**नई दिल्ली.ओपन सर्च**



**राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विद्यार्थियों से कहा - ऊंचे लक्ष्य रखें और लगन, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करें**

भारत की राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों के एक समूह के साथ संवाद किया। यह संवाद कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' के अंतर्गत आयोजित किया गया था। यह पखवाड़ा प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में मनाया जाता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश के हर क्षेत्र और समाज के हर वर्ग का विकास आवश्यक है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय न केवल जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

विद्यार्थियों को केवल उचित अवसरों, अनुकूल वातावरण और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का अनुपात बराबर है। उन्होंने कहा कि यह समावेशी विकास की दिशा में देश की प्रगति का परिचायक है। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से ऊंचे लक्ष्य रखने और लगन, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास कहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल आजीविका कमाने का साधन नहीं होना चाहिए; बल्कि, विद्यार्थियों का लक्ष्य अपने ज्ञान के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित करने का भी होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब हमारे युवा रोजगार सृजनकर्ता बनेंगे, तब देश के समावेशी विकास को और गति मिलेगी।

# मुनक नहर के किनारे भव्य छठ घाट का उद्घाटन, नितिन नवीन ने कहा- यमुना को स्वच्छ बनाने के निरंतर प्रयास जारी

**नई दिल्ली.ओपन सर्च**



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में मुनक नहर के दोनों किनारों पर 11 किलोमीटर लंबे भव्य छठ घाट का उद्घाटन किया। साथ ही, सिंगलपुर रोड के चौड़ीकरण कार्य को भी दिल्लीवासियों को समर्पित किया गया। यह दिल्ली के पूर्वांचली समाज के लिए बड़ी सौगात है। वर्षों से लंबित मांग को पूरा करते हुए दिल्ली सरकार ने छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इस वर्ष भी छठ महापर्व के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं, ताकि प्रत्येक परिवार श्रद्धा, सम्मान और सुविधा के साथ पर्व मना सके। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि आज मेरे लिए भी विशेष दिन है। कल से छठ का महापर्व शुरू हो रहा है और इस महापर्व से ठीक पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं सेवाभाव से कार्य करने वाली बहन रेखा गुप्ता ने सभी छठ व्रतियों, सनातन प्रेमियों और पूर्वांचलवासियों को एक बहुत बड़ा तोहफा दिया है। मुनक नहर के 11 किलोमीटर लंबे हिस्से का छठ व्रतियों के लिए विकास एक बड़ा परिवर्तन लेकर आया है। पूर्व की सरकारों का जिक्र करते हुए नवीन ने कहा कि यहां पूर्व की सरकारें अपने लिए शीशमहल बनवाने में लगी थीं। उन्हें यमुना नदी को सुरक्षित और स्वच्छ बनाने की कोई चिंता नहीं थी। वे गरीबों के पैसे से सिर्फ अपने लिए शीशमहल खड़े कर रही थी।

## सीएम सैनी शिवराज चौहान की माताजी स्व. काशी बाई जी को अर्पित की श्रद्धांजलि



**ओपन सर्च ब्यूरो**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी वीरवार को भोपाल पहुंचे, जहां उन्होंने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास पर पहुंचकर उनकी माताजी स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने इस दुख की घड़ी में अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

# मांझी से ताजपुर तक बनेगा मरीन ड्राइव, सीएम सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान



**ओपन सर्च. संवाददाता**

**मुख्यमंत्री सम्राट ने मांझी में रामघाट, अटल द्वार और छठ घाट का उद्घाटन किया तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया**

**सारण।** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को सारण जिले को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऐलान किया कि मांझी से ताजपुर तक मरीन ड्राइव बनाया जाएगा। घाघरा नदी के किनारे विकसित होने वाले इस रिवरफ्रंट और हाईवे प्रोजेक्ट की लंबाई 10 से 12 किलोमीटर के बीच होने की संभावना है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मांझी में रामघाट, अटल द्वार और छठ घाट का उद्घाटन किया तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के इस ऐलान के बाद सारण जिले के गंगा-किनारे वाले इलाकों में खुशी का माहौल है।

बताया जा रहा है कि पटना के दर्शनी गंगा प्रोजेक्ट की तर्ज पर यहां घाघरा (जिसे सरयू नाम से भी जाना जाता है) के किनारे आधुनिक रिवरफ्रंट और हाईवे तैयार किया जाएगा। इस सारण मरीन ड्राइव की लंबाई 10 से 12 किलोमीटर के बीच रहने का अनुमान है। माना जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट से नदी किनारे बसे गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और छठ जैसे बड़े पर्व के दौरान यहां के घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी। सीएम ने राघोपुर से आमी मंदिर तक मरीन ड्राइव की तर्ज पर बनी सड़क को मांझी-ताजपुर मरीन ड्राइव से जोड़ने की मांग पर भी सकारात्मक आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए जाएंगे। दरअसल, सड़क का विस्तार होने पर आवागमन पहले से काफी आसान हो जाएगा और इससे आसपास के दर्जनों गांवों को सीधा फायदा मिलेगा। लोगों का मानना है कि इस कनेक्टिविटी से बाजार, स्कूल और अस्पताल जाने में लगने वाला समय काफी कम होगा।

# छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे का मेगा प्लान, 214 स्पेशल ट्रेनों के लगेंगे 2044 फेरे

**गोरखपुर.एजेंसी**



सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर घर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। छठ पर्व पर लाखों की संख्या में लोग अपने घरों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने और सफर को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे ने 214 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों के कुल 2044 फेरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर जंक्शन पर दूरदराज से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चार वेंडिंग जोन बनाए गए हैं। इन जोन में यात्रियों के बैठने और विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही अनारक्षित टिकट काउंटर, कूलर और निशुल्क पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि यात्रियों को ट्रेन के इंतजार में प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच परेशान न होना पड़े। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवानों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया है। बिहार पुलिस की टीम भी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग कर रही है। इसके अलावा स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रियों और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि रोजगार के सिलसिले में दूसरे शहरों में रहने वाले लोग छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में अपने घर लौटते हैं।

# यूपी को साढ़े नौ साल में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले : योगी

**ओपन सर्च. संवाददाता**



- **यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-8डी में करीब 100 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाले इस संयंत्र में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य को पिछले साढ़े नौ साल में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं और उनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से गौतमबुद्ध नगर में 'सीएनएच इंडस्ट्रियल' के नए ट्रैक्टर विनिर्माण संयंत्र के शिलान्यास समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-8डी में करीब 100 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाले इस संयंत्र में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा, जिससे स्थानीय कारोबार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कंपनी के साथ साझेदार के रूप में खड़ी रहेगी और उसे हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएगी।

आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था में हुए सुधार से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के औद्योगिक विकास का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में कारखानों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 35 हजार से अधिक हो गई है। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या एक करोड़ तक पहुंच गई है, जबकि स्टार्टअप की संख्या 120 से बढ़कर 25 हजार से अधिक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के उभरते केंद्र के रूप में भी विकसित हो रहा है। आदित्यनाथ ने साथ ही कहा कि एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डों और समर्पित माल गलियारों के विस्तार से औद्योगिक संपर्क बेहतर हुआ है।

# भारत मंडपम में आयोजित कृषि सम्मेलन में शामिल हुए सीएम नायब सैनी

ओपन सर्च ब्यूरो

## किसानों की आय बढ़ाना, खेती की लागत घटाना और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री नायब सैनी





**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और कृषि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। हरियाणा का किसान अपनी मेहनत और पसीने के बल पर देश के अन्न भंडार भरने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रदेश के किसानों ने कृषि क्षेत्र में अपनी मेहनत से हरियाणा को एक अलग पहचान दिलाई है।

हरियाणा सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान, फसल की उचित कीमत, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य और फसल विविधीकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि किसान केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक तकनीक, नई फसलों और कृषि आधारित उद्योगों को अपनाकर अपनी आमदनी में वृद्धि करें।

मुख्यमंत्री नायब सैनी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कृषि सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मेहनती किसानों ने अपनी लगन और परिश्रम से न केवल हरियाणा को कृषि के क्षेत्र में अग्रणी बनाया, बल्कि देश के खाद्यान्न भंडार को भरने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच हमेशा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

इससे किसान को बीज, खाद और कृषि दवाइयों जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलती है और उसे छोटी-छोटी जरूरतों के लिए किसी दूसरे पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि किसान पर खेती की लागत का बोझ कम हो और उसे अपनी उपज का उचित मूल्य मिले। इसी दिशा में केंद्र और हरियाणा सरकार मिलकर किसानों के हित में अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू कर रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सिंचाई व्यवस्था के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। अमृत सरोवर योजना के तहत लगभग 2,000 तालाबों पर काम किया जा रहा है। नए तालाबों का निर्माण और पुराने तालाबों का पुनर्जीवन किया जा रहा है, ताकि वर्षा जल का संरक्षण हो और भूजल स्तर में सुधार लाया जा सके। उन्होंने बताया कि सरकार नहरों और ड्रेनों की मरम्मत, पुनर्वास एवं सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष ध्यान दे रही है, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग कृषि कार्यों में हो। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा देने के लिए 100, 200 और 500 एकड़ के क्लस्टर बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इन क्लस्टरों में बड़ी डिग्गियां बनाई जाएंगी, जिनमें लगभग एक महीने की आवश्यकता के अनुरूप पानी संग्रहित किया जा सकेगा। इन डिग्गियों से सोलर पंप के माध्यम से स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली द्वारा खेतों तक पानी पहुंचाया जाएगा। इससे कम पानी में अधिक क्षेत्र की सिंचाई और बेहतर पैदावार सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

**मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के लिए हो रहा मृदा परीक्षण**

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना और रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल को कम करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश में जिला और ब्लॉक स्तर पर मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं के माध्यम से किसानों की जमीन की मिट्टी का परीक्षण किया जा रहा है। लगभग 40 से 45 लाख किसानों की भूमि के मृदा परीक्षण के माध्यम से उन्हें बताया जाता है कि उनके खेत में कितनी मात्रा में खाद और कीटनाशकों का इस्तेमाल आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह के नेतृत्व में पांच राज्यों के बीच रेणुकाजी, किशाऊ और लखवार बांध परियोजनाओं को लेकर समझौता किया गया है। इन परियोजनाओं से प्राप्त होने वाला पानी हरियाणा सहित दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को भी उपलब्ध होगा। इन परियोजनाओं से भविष्य में जल उपलब्धता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। सरकार का प्रयास है कि प्राकृतिक जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी दी है। प्रदेश सरकार किसानों की फसल को एमएसपी पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करना और धान जैसी अधिक पानी की खपत वाली फसलों पर निर्भरता कम करना है।

प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इसके लिए मोरनी ब्लॉक में किसानों के साथ समझौता किया गया है, जिसके तहत बिना रासायनिक खाद और कीटनाशकों के प्राकृतिक तरीके से खेती करने वाले किसानों की उपज को खेत से ही खरीदने की व्यवस्था की गई है। नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों की रुचि लगातार बढ़ रही है। पोर्टल पर 40 लाख से अधिक किसानों द्वारा लगभग डेढ़ लाख हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के लिए पंजीकृत कराया गया है। वर्तमान में करीब 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पंचायतों की कृषि योग्य भूमि तथा कृषि विभाग की जमीन को भी किसानों को 10 वर्ष की लीज पर प्राकृतिक खेती के लिए देने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अतिरिक्त, हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन महासंघ (हैफेड) को मंडियों में प्राकृतिक खेती से उत्पादित अनाज की खरीद की जिम्मेदारी दी गई है। खरीद से पहले उपज का प्रयोगशाला में परीक्षण भी कराया जाएगा। बागवानी किसानों को बाजार में उचित मूल्य दिलाने और नुकसान की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए भावांतर भरपाई योजना लागू की गई है।

# संत नामदेव जी की शिक्षाएं मानवता, समानता और श्रम के सम्मान का संदेश देती हैं : आरती राव

ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़।** हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की शिक्षाएं आज भी समाज को आपसी भाईचारे, प्रेम, समानता, मानवता और श्रम के सम्मान का संदेश देती हैं। संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज का मार्गदर्शन करते हैं।

उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर ही अच्छे समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। राज्य सरकार ओबीसी समाज को शिक्षा, आरक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

**स्वास्थ्य मंत्री ने यह बात संत नामदेव जी महाराज की जयंती के अवसर पर कही**

उन्होंने कहा कि संत नामदेव जी ने अपनी वाणी और जीवन से भक्ति, मानव सेवा और मेहनत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान का संदेश दिया। गुरु ग्रंथ साहिब में भी उनकी वाणी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार भी अंत्योदय की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और सुशासन के लिए काम कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही हैं। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने तथा केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों और चिकित्सा शिक्षा में ओबीसी आरक्षण जैसे कदमों से समाज को आगे बढ़ने के अवसर मिले हैं। हरियाणा में पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर की आय सीमा 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की गई है।

बीसी-ए वर्ग को स्थानीय निकायों में प्रतिनिधित्व देने के साथ सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में अवसर देने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी काम कर रही है। महिलाओं के कल्याण के लिए बजट में किए गए प्रावधानों और पात्र परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य आमजन को राहत देना है।

# हरियाणा ने गुरुग्राम में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए एक ठोस कार्य योजना बनाने की 31 दिसंबर की समय-सीमा तय की

ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम की जल निकासी (ड्रेनेज) समस्याओं की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, जिला प्रशासन को 31 दिसंबर, 2026 तक बाढ़ प्रबंधन की एक व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। राजस्व विभाग की वित्तीय आयुक्त और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि गुरुग्राम के उपायुक्त को बाढ़ से बचाव के उपायों के क्रियान्वयन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नागरिक निकायों, विकास प्राधिकरणों, इंजीनियरिंग विभागों और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बना रहे। ये निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में बुलाई गई एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद आए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुग्राम में बार-बार आने वाली बाढ़ की समस्या से निपटने के उपायों पर चर्चा की। सरकार ने प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे बाढ़ प्रभावित विशिष्ट स्थानों (हॉटस्पॉट्स) की पहचान करें और पानी जमा होने के सटीक कारणों की जांच करें। इसमें नालों का बंद होना और वर्षा जल निकासी (स्टॉर्मवॉटर ड्रेनेज) के डिजाइन में कमियां जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। अधिकारियों को बाढ़ से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति बनानी होगी, जो केवल जलमग्न सड़कों से पानी हटाने तक सीमित न हो, बल्कि बाढ़ के मूल कारणों को दूर करे और वर्षा जल प्रबंधन पर भी ध्यान दे।

# करनाल की सामूहिक मेहनत और एकता का प्रतीक है राष्ट्रपति सम्मान : रेणु बाला गुप्ता

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो



**करनाल।** स्वच्छ सर्वेक्षण में हरियाणा का प्रथम स्वच्छ शहर बनने और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने पर महापौर रेणु बाला गुप्ता का समस्त पार्षदों, अधिकारियों-कर्मचारियों, सफाई मित्रों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस उपलब्धि पर सभी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर को शुभकामनाएं दीं। साथ ही भविष्य में भी करनाल को स्वच्छता एवं विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया। वीरवार को नगर निगम स्थित अपने कार्यालय में अनवरत स्वागत एवं अभिनंदन से अभिभूत महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि वस्तुतः यह सम्मान किसी एक व्यक्ति या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे करनाल शहर की सामूहिक मेहनत, एकता और जनभागीदारी का प्रतीक है। हर नागरिक, सफाई मित्र, जनप्रतिनिधि और नगर निगम की पूरी टीम इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की भागीदार है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में हरियाणा का प्रथम स्वच्छ शहर बनने से करनाल का मान-सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। यह पूरे शहर के लिए भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है।

महापौर ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प ने स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के कुशल मार्गदर्शन, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल तथा करनाल के विधायक जगमोहन आनंद के निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन के लिए उन्होंने हृदय से आभार व्यक्त किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू की गरिमामयी उपस्थिति को भी उन्होंने प्रेरणादायी बताया। इसी क्रम में उन्होंने विशेष रूप से सफाई मित्रों को इस उपलब्धि का असली नायक बताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी उनका परिश्रम, समर्पण और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता शहर की स्वच्छता व्यवस्था की मजबूत नींव है।

# हरियाणा में 70 प्रतिशत निवेश एमओयू को धरातल पर उतारने का लक्ष्य : राव नरबीर सिंह

ओपन सर्च ब्यूरो



**2.37 लाख करोड़ रुपये के 123 एमओयू और 9,600 करोड़ रुपये के अतिरिक्त एमओयू हुए साइन, 1.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर काम शुरू**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए हुए एमओयू को धरातल पर उतारना सरकार की प्राथमिकता है। नई उद्योग नीति के तहत हुए एमओयू में से कम से कम 70% को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने अधिकारियों को निवेशकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाने और निवेश प्रस्तावों का नियमित फॉलोअप करने के निर्देश दिए। राव नरबीर सिंह ने चंडीगढ़ सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि जून माह में हरियाणा इन्वेस्टर रोड शो एवं पॉलिसी लॉन्च के बाद प्रदेश में 2 लाख 37 हजार करोड़ रुपये के 123 एमओयू तथा 9,600 करोड़ रुपये के अतिरिक्त एमओयू साइन हुए हैं। इनमें से 1 लाख 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए शुभ संकेत है। निवेशकों की सुविधाओं के लिए निरंतर काम करके ही प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार किया जा सकता है। उद्योग विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने बताया कि जापान, सिंगापुर, मुंबई, करनाल और गुरुग्राम में नई पॉलिसी के तहत हुए एमओयू का नियमित फॉलोअप किया जा रहा है। निवेशकों को एचएसआईडीसी की औद्योगिक संपदाओं के अलावा निजी जमीन उपलब्ध करवाने के लिए अलग टीम गठित की गई है। निजी औद्योगिक पार्कों में भी जमीन के विकल्प उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

प्रत्येक जिले में चार-चार उद्योग साथी नियुक्त किए गए हैं, जो निवेशकों को आवश्यक जानकारियां और सहयोग उपलब्ध करवाते हैं। विभाग ने 500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजट की मांग वित्त विभाग से की है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि एमएसएमई के तहत प्लग एंड प्ले पॉलिसी में 5 लाख रुपये की सब्सिडी का प्रावधान है। अब निवेशक बायर के रूप में आएगा, न कि सेलर के रूप में। इसके अलावा हरियाणा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स प्लान तथा हरियाणा ईवी-कार्गो लॉजिस्टिक्स स्कीम के प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। इस दौरान राव नरबीर सिंह ने निर्देश दिए कि एमएसएमई के तहत भारत सरकार से मिलने वाली सब्सिडी के लंबित मामलों का जल्द निपटारा किया जाए। फर्म एवं सोसायटी एक्ट के तहत लंबित याचिकाओं का समाधान करने के साथ अधिनियम में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि आगामी विधानसभा सत्र में संशोधन सदन में रखे जा सकें।

डॉ. अमित अग्रवाल ने बताया कि एचएसआईडीसी द्वारा मानेसर में दिल्ली के लोधी गार्डन, नेहरू पार्क और अन्य अंतरराष्ट्रीय पार्कों की तर्ज पर लगभग 250 एकड़ में अर्बन हिडन पार्क विकसित करने का प्रस्ताव है।

# जनसमस्याओं का तुरंत समाधान करें अधिकारी, कोई देरी करेगा तो फिर मैं कार्रवाई करूंगा : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़।** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने सख्त लहजे में कहा कि वह सभी विभागों के अधिकारियों को यही कह रहे हैं कि जनता की शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए और यदि कोई समाधान में देरी करेगा तो फिर मैं कार्रवाई करने में देरी नहीं करूंगा, लोगों को बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर न आना पड़े, इसलिए त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए।

अनिल विज के समक्ष एक व्यक्ति ने अम्बाला छावनी तहसील में एक पटवारी द्वारा आठ माह से इंतकाल नहीं करने और बार-बार चक्कर लगाने के मामले में कड़ा संज्ञान लिया और एसडीएम अम्बाला छावनी को मामले में जांच कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटवारी द्वारा व्यक्ति को बार-बार क्यों चक्कर लगवाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इंतकाल में हो रही देरी की जांच की जाए और यदि जांच में पटवारी दोषी पाया जाता है तो उसे निलंबित भी किया जाए। इसी प्रकार, एक अन्य मामले में सीनियर सिटीजन ने तहसील में एक अन्य पटवारी द्वारा उसकी रजिस्टरी नहीं होने की शिकायत की जिसपर भी ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कड़ा संज्ञान लिया और कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष लालकुर्ती निवासी व्यक्ति ने शिकायत देते हुए कहा कि लालकुर्ती में गत दिनों आगजनी की घटना हुई थी, मगर इसके बावजूद भी नगर परिषद, फायर ब्रिगेड या पुलिस द्वारा मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। उसका आरोप था कि लालकुर्ती में बिना एनओसी के कई होटल बन चुके हैं मगर नगर परिषद व अन्य किसी विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है जिससे भविष्य में भी हादसों का खतरा क्षेत्र में बना हुआ है।

मंत्री अनिल विज ने मामले में नगर परिषद अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कबूतरबाजी के मामलों में एसपी अम्बाला को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जब उनके पास गृह विभाग था तब उन्होंने दो बार एसआईटी गठित कर सैकड़ों कबूतरबाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी, मगर अब फिर कबूतरबाज उड़ रहे हैं जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जनसुनवाई के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज को महिला ने शिकायत देते हुए नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर आरोप लगाए और कहा कि 17 वर्षों से नगर परिषद कुछ दुकानों का प्रापर्टी टैक्स वसूल नहीं कर रही है। उसने कहा कि इस मामले में वह कई बार शिकायत कर चुकी है मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। महिला की शिकायत पर मंत्री अनिल विज ने कड़ा संज्ञान लेते हुए नप अधिकारियों को फटकार लगाई, उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा टैक्स रिकवरी में इतनी ढिलाई क्यों बरती जा रही है।

# सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी : सैलजा

## गेहूं की बिजाई के समय किसानों को खेतों के बजाय धरनों पर बैठना पड़ रहा है, सरकार तत्काल उपलब्ध कराए सिंचाई पानी : कुमारी सैलजा

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़/सिरसा।** सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य कुमारी सैलजा ने सिंचाई के पानी की पर्याप्त उपलब्धता की मांग को लेकर फतेहाबाद में आंदोलन कर रहे सिरसा, हिसार और फतेहाबाद जिलों के किसानों की मांगों का समर्थन किया है। सांसद ने कहा कि प्रदेश के किसानों को समय पर पर्याप्त सिंचाई जल और आम नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना केंद्र एवं राज्य सरकारों की बुनियादी जिम्मेदारी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस समय गेहूं की बिजाई का महत्वपूर्ण सीजन चल रहा है।

किसानों को अपने खेतों में बुवाई और फसलों की देखभाल करनी चाहिए, लेकिन पानी की समस्या के कारण उन्हें धरने, प्रदर्शन और आंदोलन करने पड़ रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। सरकार को किसानों की समस्याओं का समाधान बातचीत और ठोस प्रशासनिक कदमों के माध्यम से करना चाहिए। सांसद ने कहा कि कुछ महीने पहले उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के समक्ष हरियाणा की दीर्घकालीन जल समस्या के समाधान के लिए यमुना नदी को घग्गर नदी से जोड़ने की संभावनाओं का अध्ययन कराने का सुझाव रखा था। इस प्रस्ताव पर तकनीकी व्यवहार्यता, पर्यावरणीय प्रभाव, जल उपलब्धता और संबंधित राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। ऐसी परियोजना व्यवहार्य पाई जाती है तो इससे हरियाणा के अनेक क्षेत्रों को लाभ मिलने की संभावनाएं बन सकती हैं।

# मुख्यालय स्तर पर लंबित विकास कार्यों की नियमित समीक्षा कर उन्हें जल्द पूरा करवाएं अधिकारी : प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी

ओपन सर्च ब्यूरो



**- कुंडली गांव में जलभराव की समस्या दूर करने और औद्योगिक क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा**

**सोनीपत।** प्रधान सलाहकार (शहरी विकास) डी.एस. ढेसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यालय स्तर पर लंबित विकास कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करें और संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाएं। विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलें, इसके लिए सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें। गुरुवार को लघु सचिवालय में सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी ने की। इस दौरान विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कुंडली गांव में जलभराव की समस्या पर चर्चा की गई। इस दौरान एमसी कुंडली चेयरपर्सन शिमला देवी ने बताया कि गांव के प्रवेश और निकास मार्गों पर जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस पर प्रधान सलाहकार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव के प्रवेश एवं निकास मार्गों से संबंधित निर्माण कार्य जल्द पूरा करवाएं, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी न हो। सोनीपत में बस अड्डे के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए उन्होंने रोडवेज जीएम से वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

जीएम ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों के डिपो के लिए तीन एकड़ भूमि उपलब्ध करवाई गई है और निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। मई 2027 तक इसका इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर लिया जाएगा। वहीं, डीजल बसों के बस टर्मिनल एवं वर्कशॉप के लिए भूमि से संबंधित मामले में मुख्यालय स्तर पर जानकारी दी जा चुकी है। बैठक में एचएसआईआईडीसी द्वारा अधिग्रहित सेक्टरों के बाहर विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई। प्रधान सलाहकार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्रों का मौके पर निरीक्षण करें और वहां के सड़क नेटवर्क को नक्शे पर दर्शाएं। इसके साथ ही पानी के स्रोतों की जांच कर पूरी जानकारी एसएमडीए को उपलब्ध करवाएं, ताकि आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें। एसएमडीए के रेनीवेल सिस्टम में उपलब्ध अतिरिक्त क्षमता के उपयोग को लेकर भी चर्चा हुई।

संबंधित अधिकारी ने बताया कि संबंधित विभाग के द्वारा सात रेनीवेल एसएमडीए को हस्तांतरित किए गए हैं। इस पर प्रधान सलाहकार ने अक्टूबर माह के दौरान प्रतिदिन होने वाली जलापूर्ति की रिपोर्ट मांगी और पानी की उपलब्धता एवं मांग के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। सीएक्यूएम के दिशा-निर्देशों की अनुपालना की समीक्षा करते हुए नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार ने बताया कि जिला में एक एंटी स्मॉग गन संचालित है और सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

# दिल्ली में सबसे बड़ा म्यूजियम बनेगा, मोदी ने बताया- 'भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए नया ऐतिहासिक अध्याय'

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



**प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कल्पना कीजिए कि नई दिल्ली दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम डिस्प्ले एरिया का केंद्र बन जाए? इसके विस्तार के बारे में सोचिए। हमारी संस्कृति के बारे में सोचिए। 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' के पीछे यही विजन है**

नई दिल्ली जल्द ही दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम डिस्प्ले एरिया का केंद्र बनने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' के विकास को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की अनुमानित कुल लागत 3,230 करोड़ रुपए है, जिसका मूल्यांकन सार्वजनिक निवेश बोर्ड द्वारा किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कल्पना कीजिए कि नई दिल्ली दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम डिस्प्ले एरिया का केंद्र बन जाए? इसके विस्तार के बारे में सोचिए। हमारी संस्कृति के बारे में सोचिए। 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' के पीछे यही विजन है। आज कैबिनेट का लिया गया निर्णय, ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों को भारत की सभ्यतागत यात्रा के एक भव्य उत्सव के रूप में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।' उन्होंने कहा कि प्राचीन ज्ञान प्रणालियों, गणित और खगोल विज्ञान से लेकर वास्तुकला, कला, भाषाओं और आध्यात्मिकता तक, यह म्यूजियम शानदार अनुभवों और विश्व-स्तरीय गैलरियों के जरिए हमारी हजारों साल पुरानी विरासत को जीवंत कर देगा। जो इमारतें कभी शासन-प्रशासन का केंद्र थीं, वे अब एक ऐसी जगह बन जाएंगी, जहां लाखों लोग हमारी सभ्यता की शाश्वत समृद्धि को जान सकेंगे, उसका अनुभव कर सकेंगे और उसका जश्न मना सकेंगे। भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए यह एक नया ऐतिहासिक अध्याय होगा। 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' की परिकल्पना एक ऐतिहासिक सभ्यतागत संग्रहालय के रूप में की गई है, जो भारत की सभ्यतागत विरासत की निरंतरता, विविधता और समृद्धि को उसकी मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के समग्र चित्रण के माध्यम से प्रदर्शित करेगा। इस संग्रहालय का विकास ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर के अनुकूली पुनः उपयोग के माध्यम से किया जाएगा।

इस दौरान इन भवनों की वास्तुशिल्पीय विशेषताओं और ऐतिहासिक विरासत के महत्व को संरक्षित रखते हुए इन्हें एक सार्वजनिक सांस्कृतिक संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। लगभग 1,78,509 वर्ग मीटर के प्रस्तावित निर्मित क्षेत्र में विकसित होने वाले इस संग्रहालय में आधुनिक संग्रहालय संबंधी पद्धतियों, इमर्सिव प्रौद्योगिकियों और आगंतुक-केंद्रित प्रस्तुतीकरण को एकीकृत किया जाएगा। विश्व के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संग्रहालयों के मानकों के अनुरूप विकसित होने वाला यह संग्रहालय विश्व में सबसे बड़े डिस्प्ले क्षेत्र वाला संग्रहालय होगा। इस संग्रहालय में सुव्यवस्थित विषयगत दीर्घाओं, प्रदर्शनियों और व्याख्यात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की सभ्यतागत यात्रा को दर्शाया जाएगा। इसमें देश की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, ज्ञान प्रणालियों, कलात्मक परंपराओं और विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। परियोजना में प्रदर्शनी दीर्घाओं का विकास, संग्रह के भंडारण एवं संरक्षण की सुविधाएं, आगंतुकों के लिए सुविधाएं, आधुनिक प्रौद्योगिकियों और इमर्सिव अनुभवों का एकीकरण, भूदृश्य विकास, स्मार्ट भवन प्रणालियां तथा संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। प्रधानमंत्री ने 18 मई 2023 को युगे युगीन भारत संग्रहालय की स्थापना की घोषणा की थी। सरकारी कार्यालयों के स्थानांतरण के बाद ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक भवनों का किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक सांस्कृतिक उद्देश्य के लिए अनुकूल पुनः उपयोग करने का एक अनूठा अवसर उपलब्ध हुआ है।

इस परियोजना को वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। नॉर्थ ब्लॉक में अलंकरण थीम पर आधारित पहली उद्घाटन दीर्घा के वर्ष 2027 के उत्तरार्ध में आम जनता के लिए खुलने की संभावना है। संग्रहालय में प्रदर्शित की जाने वाली सामग्री और संग्रह का विश्लेषण किया जा रहा है।

## श्रेष्ठजन सदैव लोकहित में लगे रहते हैं, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा किया सुभाषित

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को श्रेष्ठ व्यक्ति को लेकर संदेश देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित साझा किया है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, 'अपेक्षन्ते न च स्नेहं न पात्रं न दशान्तरम्। सदा लोकहिते युक्ता रत्नदीपा इवोत्तमाः।।' लिखा गया, जिसका हिंदी भावार्थ है कि श्रेष्ठजन सदैव लोकहित में लगे रहते हैं। वे अपने कार्यों के लिए न तो स्नेह की अपेक्षा रखते हैं, न पात्र की और न ही स्थिति की। वे स्वयं के प्रकाश से चमकने वाले दिव्य रत्नों के समान होते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से साझा किया गया यह संस्कृत श्लोक सुभाषितरत्नकोश और सुभाषितरत्नभाण्डागारम् जैसे प्राचीन संस्कृत सूक्ति-संग्रहों में संकलित है। इसे संस्कृत साहित्य की 'अन्योक्ति' या 'सज्जन-प्रशंसा' की परंपरा का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। इस श्लोक के माध्यम से बताया गया है कि जिस प्रकार कोई दिव्य मणि या रत्नदीप जलने के लिए न तो तेल (स्नेह) की अपेक्षा रखता है, न किसी मिट्टी या धातु के दीये (पात्र) की और न ही उसे बाती बदलने (दशान्तरम्) की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार वह स्वतः ही निरंतर प्रकाश फैलाता रहता है।

श्लोक के माध्यम से कहा गया है कि ठीक उसी प्रकार, संसार के उत्तम (श्रेष्ठ) मनुष्य बिना किसी प्रेम या प्रतिफल (स्नेह) की चाह रखे, बिना किसी के साथ भेदभाव किए या उसकी योग्यता (पात्र) देखे, और बिना किसी अनुकूल परिस्थिति (दशान्तरम्) की प्रतीक्षा किए, सदैव निस्वार्थ भाव से संसार के कल्याण (लोकहित) में लगे रहते हैं।

## महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है भाजपा : कांग्रेस

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



कांग्रेस नेताओं ने महंगाई, जातिगत राजनीति, मणिपुर में पार्टी की नियुक्तियों और जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता उदित राज ने मदर डेयरी और अमूल के उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। कांग्रेस नेता उदित राज ने मदर डेयरी द्वारा दूध के दामों में बढ़ोतरी किए जाने पर कहा, 'आश्चर्य है कि जब एलपीजी सिलेंडर कभी 400 रुपए का था, तब भाजपा भारी विरोध करती थी। अब 1,000 रुपए हो गया है, लेकिन जनता निकल नहीं रही है। किसी देश का सत्यानाश अगर करना हो, तो उस देश की जनता को पाखंड में फंसा दो। पाखंड में फंसा दिया गया है। वरना प्याज के दाम बढ़ने पर यहां 1998 में सरकार चली गई थी। लेकिन आज के समय में क्या हालात हैं? उसी तरीके से चाहे मदर डेयरी का दूध हो या अमूल का प्रोडक्ट, सब रोज महंगे होते जा रहे हैं। सरसों का तेल जब से ये सत्ता में आए हैं, दो गुना से ज्यादा महंगा हो गया है। जो कीमत 70 साल में नहीं बढ़ी थी, वह इन्हीं के समय में दोगुनी हो गई।'

जेएनयू यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी बिमोल अकोईजम को कांग्रेस की ओर से मणिपुर चुनाव में जिम्मेदारी दिए जाने के सवाल पर उदित राज ने भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा को पहले अपने दामन में झांकना चाहिए और उसके बाद कांग्रेस की ओर से बनाई गई कमेटी पर सवाल उठाने चाहिए। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड का जिक्र करते हुए भाजपा पर आरोप लगाया कि मामले से जुड़े आरोपी को राज्यपाल बना दिया गया। उदित राज ने कहा कि अभी बिमोल अकोईजम पर आरोप लगे हैं, इसलिए भाजपा को पहले अपने मामलों पर जवाब देना चाहिए। इसके बाद ही उसे कांग्रेस की नियुक्तियों पर सवाल उठाना चाहिए। अखिलेश यादव को चुनावी हिंदू बताए जाने पर उदित राज ने भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले यह बताया जाना चाहिए कि हिंदू कौन है। उदित राज ने कहा कि राजनीतिक दल वोट लेने के लिए सभी को हिंदू बताते हैं, लेकिन शादी-विवाह, सामाजिक संबंधों और आपसी व्यवहार की बात आती है, तो जाति को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब हिंदू एकता की इतनी बात की जाती है, तो पहले एक गांव को ही पूरी तरह हिंदू बनाकर दिखाया जाए।

## दिल्ली के शास्त्री पार्क में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में लगी भीषण आग, लोगों ने चालक पर नशे में होने का लगाया आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में देर रात डीटीसी की एक इलेक्ट्रिक बस में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई और जलकर पूरी तरह खाक हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, दमकलकर्मियों के पहुंचने तक बस काफी हद तक जल चुकी थी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस चालक के शराब के नशे में होने और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, दमकल विभाग को बुधवार रात शास्त्री पार्क इलाके में एक डीटीसी इलेक्ट्रिक बस में आग लगने की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि बस एक सड़क के ब्रेकर में फंस गई थी। इसी दौरान उसमें आग लग गई और कुछ ही देर में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने बस चालक के व्यवहार पर भी सवाल उठाए हैं।

लोगों का आरोप है कि चालक शाम करीब छह बजे बस लेकर इलाके में पहुंचा था, जहां बस सड़क के ब्रेकर में फंस गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने उसकी मदद की और बस को बाहर निकलवाया। हालांकि, आरोप है कि चालक ने दोबारा बस को उसी ब्रेकर में फंसा दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक शराब के नशे में था और उसने मदद करने वाले लोगों के साथ गाली-गलौज की।

## 19वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की वेबसाइट लॉन्च, अगले वर्ष कोलकाता में होगा आयोजन

**नई दिल्ली (एजेंसी)**




विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को 19वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की। यह सम्मेलन अगले वर्ष 7 से 9 जनवरी तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, प्रवासी भारतीय दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो दुनिया भर में बसे भारतीय मूल के लोगों से जुड़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। हर साल 9 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन 1915 में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। 19वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में दुनिया भर से भारतीय मूल के लोग हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया जाएगा, भारत के साथ उनके रिश्तों को और मजबूत किया जाएगा और देश के विकास में उनके योगदान के नए अवसरों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इस बार सम्मेलन का विषय है फ्रॉम रूट्स टू रिटर्न : रीइग्नाइटिंग डायस्पोरा कनेक्ट विद भारत।

यह विषय भारतीय प्रवासी समुदाय और उनकी मातृभूमि के बीच मौजूद गहरे सांस्कृतिक, सभ्यतागत और भावनात्मक संबंधों को सम्मान देता है। इसका उद्देश्य इन रिश्तों को और मजबूत बनाना है। साथ ही, विदेशों में रहने वाली नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से दोबारा जोड़ने, भारत को करीब से समझने और आधुनिक भारत के साथ उनका संबंध गहरा करने की कोशिश भी की जाएगी। तीन दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन की शुरुआत 'युवा प्रवासी भारतीय दिवस' से होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे, जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी और प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान करेंगी। ये पुरस्कार उन प्रवासी भारतीयों को दिए जाते हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है और दुनिया भर में भारत की छवि और संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। इस मौके पर प्रवासी भारतीय दिवस स्पेशल 'भारत को जानिए' क्विज भी लॉन्च किया गया। नए रूप में तैयार की गई यह क्विज आधुनिक गेमिंग तकनीक का उपयोग करती है, जिससे दुनिया भर के प्रवासी भारतीयों और विदेशी नागरिकों तक इसकी पहुंच बढ़ेगी। यह क्विज भारत की विरासत, संस्कृति, कला और आधुनिक उपलब्धियों से लोगों को जोड़ने का काम करेगी।

## दिल्ली-एनसीआर में बढ़ी ठंड और प्रदूषण की मार, वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में पहुंची

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। नवंबर का महीना आधा बीत चुका है और ठंड ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में लगातार पारा नीचे गिर रहा है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की संभावना है। सुबह और शाम की कड़ाके की ठंड के साथ-साथ अब लोगों को दिन में भी हल्की ठंड का एहसास होने लगेगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट पर जारी स्थानीय मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, 12 नवंबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, 13 नवंबर को तापमान 29 डिग्री से 16 डिग्री तक रहने की संभावना है। 14 नवंबर से मौसम में और गिरावट देखने को मिलेगी, जहां अधिकतम तापमान 29 डिग्री रहने के बावजूद न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक सिमट सकता है। 15 नवंबर से ठंड और बढ़ेगी, जहां तापमान 28 डिग्री से 15 डिग्री तक गिर जाएगा। 16 और 17 नवंबर को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों सुबह के समय हल्की धुंध छाई रहेगी, जिसके बाद आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम में आ रहे इस बदलाव के साथ ही वायु प्रदूषण ने भी अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। सुबह-सुबह पूरा एनसीआर धुंध की मोटी चादर में लिपटा हुआ देखा जा सकता है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब यानी 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली के प्रमुख इलाकों की बात करें तो आईआईटी दिल्ली में एक्यूआई 416 दर्ज किया गया है, जो कि खतरनाक स्तर पर है। आईटीओ क्षेत्र में एक्यूआई 399, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 302, जहांगीरपुरी में 342, झरोदा कलान में 304 और जेएनयू में एक्यूआई 380 तक पहुंच गया है। इसके अलावा इहबास दिलशाद गार्डन में 338, एयरपोर्ट (टी3) पर 315, आईजीआईएनओयू मैदान गढ़ी में 257 और आईएमडी लोधी रोड पर 256 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद की हवा भी लगातार जहरीली होती जा रही है। नोएडा के सेक्टर-62 में एक्यूआई 387 तक पहुंच गया है, जो 400 के आंकड़े के बेहद करीब है। सेक्टर-125 में 286, सेक्टर-110 में 278, सेक्टर-1 में 271, सेक्टर-150 में 255 और सेक्टर-39 में 245 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, गाजियाबाद की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है।

## कंगना ने सोनिया गांधी से स्विस खातों को लेकर पूछे सवाल, राहुल गांधी के 'सेल्फ-गोल टैलेंट' पर कसा तंज

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने गांधी परिवार से जुड़ी घटनाओं के बारे में सोनिया गांधी के बताए गए विवरण पर तंज कसा है। बायोग्राफी को 'सेल्फ-गोल' बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना 'सेल्फ-गोल टैलेंट' अपनी मां से विरासत में पाया है।

कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की। साथ ही उन्होंने स्विस बैंक खातों को लेकर बिना सबूत के आरोप भी लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी एक ऐसा सेल्फ-गोल है। वह बताती हैं कि राजीव गांधी की मौत वाले दिन थकान और सुस्ती जैसे कारणों का हवाला देते हुए वे उनके साथ जाने से कैसे बचीं। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपना सेल्फ-गोल टैलेंट कहां से मिला है। उन्हें यह अपनी मम्मी से मिला है। उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा, 'राजीव सिर्फ एक शर्त पर सोनिया गांधी के पास वापस आने के लिए सहमत हुए। मेनका को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि इसी समय, संजय की मौत के बाद, सोनिया गांधी ने भारत में 15 साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता हासिल करने का फैसला किया।

कंगना ने ज़िक्र किया कि मेनका गांधी कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी दोनों एक तीसरे व्यक्ति की शिकार थीं। उन्होंने लिखा, वह तीसरा व्यक्ति कौन था? 22 साल की विधवा मेनका को बताया गया कि उन्हें जाना होगा और वह दूसरों के साथ एक ही टेबल पर बैठ भी नहीं सकतीं। सोनिया गांधी अपनी बायोग्राफी में बताती हैं कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेनका के विपक्ष में दोस्त थे।

लेकिन हर कोई जानता है कि राजीव गांधी को राजनीति में दिलचस्पी भी नहीं थी और वह प्रधानमंत्री की भूमिका में जबरन लाए जाने के बारे में काफी खुले थे। तो, मेनका को बाहर कौन चाहता था? कंगना रनौत ने लिखा, अपने पूरे जीवन में एक भी पैसा कमाए बिना, वह 1991 में दुनिया की सबसे अमीर महिला कैसे बन गईं? कथित तौर पर उनके नाम पर स्विस खातों में दो अरब डॉलर से ज्यादा रखे गए थे। वाह! परिवार के सभी लोगों की मौत के बाद, कथित तौर पर गरीब, सहानुभूति मांगने वाली इतालवी विधवा अचानक अरबपति कैसे बन गईं? उनकी बायोग्राफी इसे स्पष्ट क्यों नहीं करती?

## कुलगाम हमला : भाजपा बोली- शांति बिगाड़ने की साजिश, कांग्रेस बोली- सरकार की विफलता

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआईपीएफ की पेट्रोलिंग पार्टी और चेकपोस्ट को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले के बाद राजनीतिक दलों और सुरक्षा विशेषज्ञों की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस हमले में सीआईपीएफ के तीन जवान घायल हुए हैं। बताया गया कि हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे और अचानक गोलीबारी करने के बाद मौके से फरार हो गए। भाजपा नेताओं ने हमले को कश्मीर का माहौल बिगाड़ने की साजिश बताया, वहीं कांग्रेस ने आतंकियों को पकड़ने में सरकार की नाकामी पर सवाल उठाए। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए बेहतर इलाज सुनिश्चित करने की मांग की। श्रीनगर में भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कुलगाम में सीआईपीएफ पार्टी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने आज जो हमला किया है, उसकी भाजपा निंदा करती है। आतंकवादियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि आज की घटना को अंजाम देने के बाद वे बचकर निकल जाएंगे।

आतंकी चाहे कहीं भी छिपे हों, उन्हें ढूंढकर खत्म किया जाएगा। दिल्ली में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने हमले को बेहद शर्मनाक बताया। उन्होंने घायल जवानों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि इस घटना में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलवामा हमले के जिम्मेदार लोगों को अब तक पकड़ा नहीं जा सका है और पहलगाम हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी भी नहीं हुई है। गौतम ने कहा कि जब आतंकी हमला करके भाग जाते हैं और सरकार उनके पीछे मौजूद लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ने में सफल नहीं होती, तो ऐसी स्थिति में सरकार से और क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल हमले के बाद प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन लोगों को भी सामने लाना जरूरी है जिन्होंने हमलों की साजिश रची और उन्हें अंजाम देने में भूमिका निभाई। भाजपा नेता रविंदर रैना ने घटना को कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति को प्रभावित करने की कोशिश बताया।

## मदर डेयरी ने बढ़ाए दूध के दाम, दिल्ली की जनता बोली- महंगाई का एक और बोझ, तोड़ी जा रही आम लोगों की कमर

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। यह कीमतें गुरुवार सुबह से लागू हुई हैं। इस पर दिल्ली की जनता ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, ऐसे में यह लोगों पर एक और बोझ डाल रहा है। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, 'हर चीज की कीमतें बढ़ रही हैं, इसलिए यह बढ़ोतरी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।

2 से 4 रुपए की बढ़ोतरी से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। बस क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए। मदर डेयरी की क्वालिटी अच्छी है, इसलिए इससे कोई खास असर नहीं पड़ेगा। आम लोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी।' उन्होंने कहा कि लोगों को इस ब्रांड पर भरोसा है, इसलिए इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। हर चीज की कीमतें बढ़ रही हैं। क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए। कीमत उतनी मायने नहीं रखती, लेकिन वह उचित होनी चाहिए। किसी भी उत्पाद में कोई मिलावट नहीं होनी चाहिए। व्यक्ति ने कहा कि दूध महंगा होने से कुछ और चीजों की कीमत भी बढ़ेगी, क्योंकि इससे कई तरह के प्रोडक्ट बनते हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 2-4 रुपए की कीमत बढ़ने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कीमत बढ़ने के बाद भी क्वालिटी ठीक नहीं मिलेगी तो मुश्किल होगी। एक महिला ने कहा कि दूध हर व्यक्ति की जरूरत है। यह बच्चों और पूरे परिवार के लिए चाहिए होता है। जो कीमतें बढ़ेंगी, वो देनी ही पड़ेगी।

धीरे-धीरे करके दूध की कीमतें काफी बढ़ चुकी हैं, जिसका असर आम लोगों पर होता है। इससे किसी भी दल और सरकार को फर्क नहीं पड़ता है। इसका असर सीधे जनता पर होता है। एक और स्थानीय निवासी ने कहा, अमूल ने पहले ही अपने दाम बढ़ा दिए थे और अब मदर डेयरी ने भी कीमतें बढ़ा दी हैं। इस बार तो बढ़ोतरी काफी ज्यादा लग रही है। पहले कीमतें एक बार में 1 रुपये बढ़ती थीं, लेकिन अब सीधे 4 रुपए बढ़ा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, ऐसे में यह लोगों पर एक और बोझ डाल रहा है। सरकार को इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। इस पर कोई नीति जरूर होनी चाहिए, क्योंकि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी को दूध की जरूरत होती है। यह सबकी जरूरत है, इसलिए सरकार को इसकी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कोई नीति बनानी चाहिए। एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा, मैं अपने नजदीक में मदर डेयरी से टोकन और पैकेट का दूध लेता हूं। मदर डेयरी ने पैकेट और खुले दूध, दोनों के दामों में बढ़ोतरी की है। आम जनता की कमर तोड़ी जा रही है। यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

## सम्पादकीय



## विकास के पथ पर भारत की नई मंजिल

भारत आज दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। देश ने पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। गुरुवार को सरकार ने इस संकल्प को दोहराते हुए स्पष्ट किया कि देश 2047 की समय-सीमा को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल सरकार की महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों, आकांक्षाओं और सामूहिक प्रयासों से जुड़ा हुआ है।

वर्ष 2047 भारत की स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक अवसर होगा। ऐसे में विकसित भारत का सपना देश के लिए विशेष महत्व रखता है। विकसित राष्ट्र का अर्थ केवल बड़ी अर्थव्यवस्था, ऊंची प्रति व्यक्ति आय और आधुनिक बुनियादी ढांचा होना नहीं है, बल्कि ऐसा देश बनाना है जहां प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार के अवसर, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध हो। विकास का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब उसकी रोशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आर्थिक विकास की गति को लगातार बनाए रखना आवश्यक है। कृषि, उद्योग, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी और छोटे एवं मध्यम उद्योगों को समान रूप से प्रोत्साहित करना होगा। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को कौशल विकास, आधुनिक तकनीकी शिक्षा और रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें देश की आर्थिक प्रगति का भागीदार बनाना होगा। केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय उद्यमिता, स्टार्टअप और स्वरोजगार की संस्कृति को भी बढ़ावा देना होगा।

विकसित भारत के निर्माण में किसानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि को आधुनिक तकनीक, बेहतर सिंचाई व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण बीज, भंडारण और बाजार सुविधाओं से जोड़ना होगा। किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मजबूत करना आवश्यक है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, तभी देश का समग्र विकास संभव होगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी व्यापक सुधार की जरूरत है। देश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और गरीब से गरीब व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। डिजिटल सुविधाओं का विस्तार, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक समानता और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण भी विकसित भारत की बुनियाद हैं। इसके अलावा सड़क, रेल, हवाई संपर्क, बंदरगाह, बिजली और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से काम करना होगा। हालांकि, 2047 का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं है। देश के सामने बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई, आर्थिक असमानता, पर्यावरण प्रदूषण और ग्रामीण-शहरी विकास के बीच अंतर जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल घोषणाओं और योजनाओं से नहीं होगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जवाबदेही से ही संभव होगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय भी अनिवार्य है।

## हर पृष्ठ का महत्व : पढ़ने की स्थायी शक्ति

**डॉ. विजय गर्ग**

हम जो भी पृष्ठ पढ़ते हैं, वह हमारी सोच बदलने, ज्ञान बढ़ाने और भविष्य को बेहतर बनाने की क्षमता रखता है। पुस्तक केवल छपे हुए शब्दों का संग्रह नहीं होती, बल्कि नए विचारों, अनुभवों और संभावनाओं की खिड़की होती है। एक छोटा-सा पृष्ठ भी हमें कोई महत्वपूर्ण सीख दे सकता है, नई सोच विकसित कर सकता है और जीवन को देखने का हमारा नजरिया बदल सकता है। आज डिजिटल युग में पढ़ने की आदत तेजी से बदल रही है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, छोटी वीडियो और तुरंत उपलब्ध जानकारी के कारण लोगों का पुस्तकों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हो रहा है। डिजिटल तकनीक ने जानकारी तक पहुंच आसान बनाई है, लेकिन गहराई से पढ़ने और विचार करने की आदत आज भी अत्यंत आवश्यक है।

हर पृष्ठ महत्वपूर्ण है, क्योंकि सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। जो विद्यार्थी प्रतिदिन कुछ पृष्ठ पढ़ता है, उसका ज्ञान, शब्दावली, कल्पनाशक्ति और तार्किक चिंतन धीरे-धीरे विकसित होता है। नियमित रूप से किए गए छोटे-छोटे प्रयास समय के साथ बड़े परिणाम देते हैं।

पढ़ने से धैर्य और एकाग्रता भी विकसित होती है। छोटे डिजिटल संदेशों के विपरीत, पुस्तकें पाठकों को विचारों को समझने, तर्कों पर विचार करने और विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण करने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें हमें महान वैज्ञानिकों, विचारकों, लेखकों और नेताओं के अनुभवों से परिचित कराती हैं, जिनसे हम अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक पृष्ठ शैक्षणिक सफलता की ओर बढ़ने वाला एक कदम हो सकता है। पाठ्यपुस्तकें मजबूत आधार तैयार करती हैं, जीवनियाँ प्रेरणा देती हैं, समाचार पत्र जागरूकता बढ़ाते हैं और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ जिज्ञासा विकसित करती हैं। निर्धारित पाठ्यक्रम से आगे पढ़ने से विद्यार्थी केवल परीक्षा की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से सीखने वाले बनते हैं। बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने में माता-पिता और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों में आकर्षक पुस्तकालय स्थापित किए जाने चाहिए, पठन गतिविधियाँ आयोजित होनी चाहिए और विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

बच्चों पर पढ़ने का दबाव डालने के बजाय उनमें पढ़ने के आनंद को विकसित करना चाहिए। पढ़ना केवल परीक्षाओं या शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं होना चाहिए। साहित्य संवेदनशीलता और सहानुभूति विकसित करता है, इतिहास हमें अतीत की जानकारी देता है, विज्ञान हमारे आसपास की दुनिया को समझाता है और दर्शन हमें अपनी मान्यताओं पर प्रश्न उठाने के लिए प्रेरित करता है। प्रत्येक विधा व्यक्तिगत विकास का एक नया अवसर प्रदान करती है। पढ़ने की अच्छी आदत विकसित करने के लिए प्रतिदिन कई घंटे पुस्तक के साथ बिताना आवश्यक नहीं है। प्रतिदिन केवल 15-20 मिनट पढ़ने से भी समय के साथ महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। नियमितता, जिज्ञासा और सीखने की इच्छा सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हर पृष्ठ समान रूप से उपयोगी नहीं होता और न ही प्रत्येक पुस्तक समान गुणवत्ता की होती है। पाठकों में विश्वसनीय जानकारी और भ्रामक सूचनाओं के बीच अंतर करने की क्षमता विकसित होनी चाहिए। सही पुस्तकें और सार्थक सामग्री चुनना भी पढ़ने की आदत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

## वायु प्रदूषण



करिश्मा गुज्जर (खारी)

प्रदूषण जिसमें लोग के लिए सांस लेना मानो जैसे जंग लड़ रहे है इस तरह भारी पड़ रहा है , एक तरफ है सरकार आपस में राजनीति कर रही है इस पर दूसरी तरफ लोग अपने त्योहार बना रहे हैं पर दोनों अपने जीवन से बेख़बर है, मानो जैसे क्योंकि नुकसान तो हर व्यक्ति को हो रहा है इस प्रदूषण भरी हवा से इसका समाधान जितना जनता के हाथ में है उतना ही सरकार के हाथ में है। दोनों को एक साथ मिलकर इस पर काम करना चाहिए।

# जियो का मुफ्त जाल और जिंदगी भर की वसूली

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

आधुनिक अर्थव्यवस्था में निजीकरण को विकास, प्रतिस्पर्धा और बेहतर सेवाओं का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। तर्क दिया जाता है कि निजी कंपनियाँ सरकारी संस्थानों की तुलना में अधिक कुशल होती हैं, उनकी सेवाएँ बेहतर होती हैं और वे उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प उपलब्ध कराती हैं। लेकिन इस चमकदार तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जब शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएँ सार्वजनिक सेवा के बजाय मुनाफा कमाने का माध्यम बन जाती हैं, तब समाज में आर्थिक असमानता और शोषण की संभावनाएँ बढ़ने लगती हैं। सवाल यह नहीं है कि निजी क्षेत्र को कारोबार करने का अधिकार होना चाहिए या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरी तरह बाजार की शक्तियों के भरोसे छोड़ देना उचित है?

दूरसंचार क्षेत्र इसका एक दिलचस्प उदाहरण है। जियो के आगमन ने भारतीय दूरसंचार बाजार में बड़ा बदलाव किया। शुरुआती दौर में मुफ्त कॉलिंग और सस्ते इंटरनेट की पेशकश ने करोड़ों लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा। इंटरनेट का विस्तार हुआ, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और सूचना तक पहुँच आसान हुई। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। लेकिन इस बदलाव के साथ एक ऐसी उपभोक्ता संस्कृति विकसित हुई, जिसमें मुफ्त और सस्ती सेवाओं के आकर्षण ने लोगों को निजी कंपनियों पर पहले से अधिक निर्भर बना दिया। एक समय था जब अनेक लोगों के पास एक ही मोबाइल सिम होती थी, लेकिन सस्ते रिचार्ज, अलग-अलग नेटवर्क और आकर्षक योजनाओं के कारण कई लोगों ने एक से अधिक सिम रखना शुरू कर दिया। बाजार में प्रतिस्पर्धा के नाम पर शुरू हुई यह प्रक्रिया धीरे-धीरे उपभोक्ता की आदतों और निर्भरता को प्रभावित करने लगी। यहाँ समझने वाली बात है कि कोई भी निजी कंपनी अंततः अपने निवेश, बाजार हिस्सेदारी और लाभ को ध्यान में रखकर काम करती है। मुफ्त या बेहद सस्ती सेवा हमेशा स्थायी जनकल्याण की नीति नहीं होती। शुरुआती आकर्षण के बाद शुल्क बढ़ सकते हैं, योजनाओं की शर्तें बदल सकती हैं और उपभोक्ता के सामने सीमित विकल्प रह




सकते हैं। जब किसी क्षेत्र में कुछ बड़ी कंपनियों का प्रभाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब वास्तविक प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ने का खतरा भी पैदा होता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता के पास विकल्प तो दिखाई देते हैं, लेकिन उसकी मोलभाव करने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए किसी कंपनी की लोकप्रियता को ही उपभोक्ता हितों की गारंटी मान लेना उचित नहीं है। निजीकरण की सबसे बड़ी समस्या तब सामने आती है, जब इसका विस्तार उन क्षेत्रों में होने लगता है जिन पर आम नागरिक का जीवन निर्भर करता है। शिक्षा को ही देखिए। यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल महंगे निजी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध होगी, तो गरीब परिवारों के बच्चों के लिए समान अवसर कैसे सुनिश्चित होंगे? स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण यदि बिना प्रभावी नियमन के आगे बढ़ेगा, तो गंभीर बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट में धकेल सकती है। बिजली, पानी और परिवहन जैसी सुविधाओं में भी यदि लाभ कमाना ही प्रमुख उद्देश्य बन जाए, तो कमजोर आय वर्ग के नागरिकों पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है।

बाजार की अपनी उपयोगिता है, लेकिन बाजार सामाजिक न्याय का विकल्प नहीं हो सकता। बाजार वहाँ निवेश करता है जहाँ लाभ की संभावना अधिक होती है। इसके विपरीत, सरकारी व्यवस्था का मूल दायित्व उन क्षेत्रों और लोगों तक सुविधाएँ पहुँचाना भी है जहाँ आर्थिक लाभ कम या नगण्य हो सकता है।

दूरदराज के गाँवों में विद्यालय चलाना, पिछड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करना, गरीब परिवारों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार करना सरकार की जिम्मेदारी है। इन सेवाओं का मूल्य केवल आर्थिक लाभ से नहीं आँका जा सकता। इनका वास्तविक मूल्य सामाजिक सुरक्षा, समान अवसर और नागरिक गरिमा में निहित है। निजीकरण का एक गंभीर परिणाम सामाजिक विभाजन के रूप में भी दिखाई देता है। जब सुविधाएँ खरीदने की क्षमता के आधार पर मिलने लगती हैं, तब समाज दो वर्गों में बँटता चला जाता है। एक वर्ग महंगे अस्पतालों, प्रतिष्ठित विद्यालयों, निजी परिवहन और बेहतर संचार सुविधाओं का लाभ उठाता है, जबकि दूसरा वर्ग सीमित संसाधनों में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करता है। धीरे-धीरे अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण जीवन आर्थिक हैसियत से जुड़ जाते हैं। इस प्रकार अमीरी और गरीबी का अंतर केवल आय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अवसरों और जीवन की गुणवत्ता में भी दिखाई देने लगता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी व्यवस्थाएँ पूरी तरह दोषमुक्त हैं। सरकारी संस्थानों में भ्रष्टाचार, कर्मचारियों की कमी, जवाबदेही का अभाव, संसाधनों का दुरुपयोग और प्रशासनिक लापरवाही जैसी समस्याएँ मौजूद हैं। लेकिन इन कमियों का समाधान सरकारी संस्थानों को कमजोर करना या उन्हें निजी हाथों में सौंप देना नहीं है। आवश्यकता सरकारी संस्थानों में सुधार, पारदर्शिता, आधुनिक तकनीक, पर्याप्त बजट और प्रभावी जवाबदेही सुनिश्चित करने की है। यदि कोई सरकारी अस्पताल ठीक से काम नहीं कर रहा, तो उसका समाधान अस्पताल को बंद करना नहीं, बल्कि चिकित्सकों, दवाओं, उपकरणों और प्रबंधन की व्यवस्था बेहतर करना है। यदि सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता कमजोर है, तो समाधान सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना होना चाहिए।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सरकारी संस्थानों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। यहाँ बड़ी आबादी ऐसी है जिसकी आय सीमित है और जो बाजार की ऊँची कीमतों को सहन नहीं कर सकती। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सरकारी अस्पताल, सरकारी विद्यालय, सार्वजनिक परिवहन और सरकारी दूरसंचार सेवाएँ इसी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा हैं। बीएसएनएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों को भी आधुनिक तकनीक, बेहतर नेटवर्क और पर्याप्त निवेश के माध्यम से प्रतिस्पर्धी बनाया जाना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र का उद्देश्य केवल लाभ कमाना नहीं, बल्कि नागरिकों को उचित मूल्य पर विश्वसनीय सुविधाएँ उपलब्ध कराना भी होना चाहिए। सरकार को निजी कंपनियों के लिए स्पष्ट नियम बनाने चाहिए।

# क्या ऐसे होंगे हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार?

**निर्मल रानी**

इन दिनों सत्ता, गोदी मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा सुनियोजित तरीक़े से प्रचारित कर जनता पर थोपे गये बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने विवादित बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। परन्तु इसबार उनके मुंह से जिस तरीक़े से भगवान श्री कृष्ण को लेकर अपमानजनक बातें की गयीं और उनका मज़ाक़ उड़ाया गया और जिन शब्दों व जिस अंदाज़ में पेश किया गया वह उनके क्षमा मांगने के बावजूद अक्षम्य है। ग़ौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी ज़िले में एक कथा के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप व मुद्रा की तुलना करते हुये कहा कि 'हमारे वाले' श्रीराम बिल्कुल सीधे खड़े होते हैं, जबकि 'तुम्हारे वाले' श्रीकृष्ण की मुद्रा और चाल 'टेढ़ी' होती है।

उन्होंने कृष्ण के बांसुरी बजाने को बच्चों का खेल और धनुष-बाण चलाने को बड़ी बात बताया। उन्होंने 'हमारे वाले राम' और 'उनके वाले कृष्ण' जैसी शब्दावली का प्रयोग कर सनातन धर्म में जातिवाद की लकीर खींचने का भी दुष्प्रयास किया। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर देशभर के संतों, नेताओं, कृष्ण भक्तों और यादव समाज ने कड़ी आपत्ति जताई। तभी मौक़े की नज़ाकत को भांप कर इस 'लंपट' ने क्षमा मांगने में ही अपनी भलाई समझी। उसके आलोचकों का आरोप है कि ऐसे बयान से भगवान कृष्ण का उपहास उड़ाया गया है। इस मामले में आगरा की सिविल कोर्ट में उसके ख़िलाफ़ एक आपराधिक मानहानि की शिकायत भी दर्ज कराई गई।

इसी विवाद के बीच पिछले दिनों रायपुर में आयोजित एक कथा के दौरान शास्त्री ने सनातनियों से एकजुट होने की अपील करते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे 'तुम मुझे ख़ून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा ' की तर्ज़ पर एक नया नारा दिया है। धीरेंद्र शास्त्री का नारा है- 'तुम मेरा साथ दो, मैं हिंदू राष्ट्र बनाऊंगा। ' परन्तु सवाल यह है कि क्या 'हमारे राम' और 'तुम्हारे कृष्ण' जैसी दुर्भावनापूर्ण बातें कर समाज में फूट डलवाने की कुचेष्टा करने वाला व्यक्ति भी हिन्दू राष्ट्र का सूत्रधार बनने का सपना देख सकता है? इसके द्वारा भरी सभा में अपने भक्तों के बीच की गयी बकवास की सूची बहुत लंबी है। कभी यह ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार को लेकर कहता है कि जिस महिला की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र न हो, उसे 'ख़ाली प्लॉट' समझा जाए। इसके साथ ही इस ने ब्यूटी पार्लर जाने वाली महिलाओं पर भी तंज़ कसते हुए कहा था कि वे 'काले जामुन पर फ़ाउंडेशन' लगा देती हैं। उसका यह बयान काफ़ी चर्चा में रहा। सोशल मीडिया और महिला संगठनों द्वारा इस बयान की तीखी आलोचना भी की गई थी। आलोचकों ने इसे पितृसत्तात्मक, स्त्री-विरोधी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया था। एक अन्य कथा के दौरान रामायण के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए उसने व्यास मंच से कहा था कि 'विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन श्री राम जी के पांच पिता थे '। इस बयान की क्लिप वायरल होने के बाद सनातन धर्म के कई जानकारों ने इस पर सवाल उठाए। हालांकि, बाद में इसकी ओर से यह सफ़ाई दी गयी कि उसका आशय जैविक पिताओं से नहीं, बल्कि रामायण के राजा दशरथ, राजा जनक, जटायु, सुग्रीव जैसे उन पांच चरित्रों से था जिन्हें प्रभु राम ने पिता तुल्य सम्मान या दर्जा दिया था।

परन्तु आलोचकों का कहना था कि व्यास पीठ से शब्दों का चयन अधिक ज़िम्मेदारी से होना चाहिए। इसी तरह अप्रैल 2026 में नागपुर में एक धार्मिक सभा के दौरान शास्त्री ने आधुनिक जीवनशैली और पारिवारिक मूल्यों को लेकर एक वक्तव्य दिया। उस ने टिप्पणी की थी कि आजकल कुलीन या अमीर परिवारों की महिलाएं भी शराब पीने लगी हैं, और ऐसी आदतें बच्चों के पालन-पोषण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इस बयान पर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाएं आई थीं। कांग्रेस नेताओं सहित कई विपक्षी महिला नेताओं ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए सार्वजनिक मुआफ़ी की मांग की थी और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

हिन्दू राष्ट्र के इसी स्वयंभू सूत्रधार ने एक बार सार्वजनिक मंच से कहा था कि हिंदू परिवारों को तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए और उनमें से एक बच्चे को राष्ट्र व धर्म की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या बजरंग दल को समर्पित कर देना चाहिए। इस बयान को आलोचकों और विपक्षी दलों द्वारा अत्यधिक राजनीतिक और समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाने वाला माना गया था। अपने भक्तों को सरे आम 'पागल' कहकर संबोधित करने वाला यह व्यक्ति प्रयागराज संगम में भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं है कि 'गंगा किनारे मरने वाला मरता नहीं बल्कि मोक्ष पाता है 'तो कभी मछली खाने वाले बंगालियों को राक्षस व विधर्मी बता कर विवाद खड़ा कर देता है। कभी कहता है कि संत तुकाराम की पत्नी रोज़ उन्हें डंडे से मारती थी तो कभी करवा चौथ का नाम 'ख़सम पूजन दिवस ' रख कर इस व्रत का मज़ाक़ उड़ाता है। कभी कहता है कि लोधियों के डी एन ए में गड़बड़ है इसलिए वे मेरे विरोधी हैं तो कभी कहता है कि मुसलमानों के पास अली हैं तो हमारे पास बजरंगबली हैं। ऐसे घटिया व विवादित बयानों के अलावा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने दरबार में लोगों की पर्चीं निकालने, भूत-प्रेत भगाने और बिना मेडिकल टेस्ट के बीमारियां ठीक करने के दावे भी करता है जिसे लेकर वैज्ञानिक व कानूनी विवाद हो चुका है। एक बार तो 'अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' ने नागपुर में उसके दावों को चुनौती दी और 3 लाख इनाम की चुनौती रखी। समिति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि धर्म की आड़ में अंधविश्वास और जादू-टोने को बढ़ावा देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। थोथी लोकप्रियता हासिल करने के लिये भले ही यह व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम व हिन्दू राष्ट्र का राग अलापता रहता हो परन्तु धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने कई इंटरव्यू में खुद बताया है कि जब उस का परिवार अत्यधिक आर्थिक तंगी से गुज़र रहा था, तब उनकी सगी बहन की शादी के समय शेख़ मुबारक नाम के उनके एक घनिष्ठ मुस्लिम मित्र ने उसे 20, 000 रूपये देकर आर्थिक सहायता की थी।

सवाल यह है कि क्या ऐसी घटिया, द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाले व समाज में धर्म व जातियों यहाँ तक कि भगवानों में अंतर पैदा करने व अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले इसी तरह के सत्ता प्रायोजित नफ़रती लोग ही हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार होंगे?

# विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

**प्रहलाद सबनानी**

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी।

इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है। भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है।

विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है।

इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है।

परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है।

इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है। केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है।

उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542

# यूपी चुनाव : ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने मिलाया हाथ, 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' सभी 403 सीटों पर उतारेगा उम्मीदवार

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (ढ्ढस्ढरू) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने गठबंधन का ऐलान किया है। दोनों नेताओं ने अपने नए गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया है।

गुरुवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने इसकी घोषणा की। गठबंधन ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि यह मोर्चा 2027 में उत्तर प्रदेश की सत्ता में बदलाव लाने का काम करेगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए विपक्षी दलों के बीच बड़े गठबंधन की जरूरत बताई। साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को भी इस मोर्चे में शामिल होने का न्योता दिया।



**चंद्रशेखर बोले- यह तीसरा मोर्चा नहीं, सामाजिक बदलाव की पहल है**

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा कोई तीसरा मोर्चा नहीं है, बल्कि समाज में बदलाव लाने के उद्देश्य से बनाया गया गठबंधन है। उन्होंने कहा कि यह मोर्चा आने वाले समय में और मजबूत होगा तथा वंचित, शोषित, पीड़ित और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लोगों को एकजुट करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में मस्जिदों को नुकसान पहुंचाया गया और बहुजन महापुरुषों के नाम पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं मिलती। उनके मुताबिक, प्रदेश में मूर्तियां तोड़े जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

चंद्रशेखर ने कहा कि लंबे समय से वंचित समुदायों को गरीबी, जातिगत हिंसा और अत्याचार से मुक्ति दिलाने के वादे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। सरकारें बदलती रहीं और घोषणाएं होती रहीं, लेकिन बहुजन समाज आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।

**2027 के चुनाव में नए राजनीतिक समीकरण बनाने की तैयारी**

उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने के ऐलान के साथ सामाजिक परिवर्तन मोर्चा ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति के संकेत दे दिए हैं। अब देखना होगा कि इस गठबंधन को प्रदेश में कितना जनसमर्थन मिलता है और सपा-कांग्रेस की ओर से इसमें शामिल होने के न्योते पर क्या प्रतिक्रिया आती है।

**ओवैसी बोले- बीजेपी को रोकने के लिए मजबूत होगा गठबंधन**

ढ्ढस्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गठबंधन को लेकर कहा कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा उत्तर प्रदेश में बीजेपी को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए एक मजबूत विकल्प बनेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि दबे-कुचले वर्गों के लोगों को अब तक केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

ओवैसी ने प्रदेश में बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार ने उत्तर प्रदेश के युवाओं के भविष्य को लेकर पर्याप्त काम नहीं किया है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद को मोर्चे का मुख्यमंत्री चेहरा बनाने की बात भी कही। गठबंधन की ओर से 26 नवंबर को एक बैठक आयोजित करने की जानकारी दी गई है। ओवैसी ने कहा कि उनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की जनता के साथ मिलकर इंसाफ की लड़ाई को आगे बढ़ाना और भविष्य की राजनीति करना है।

**सपा और कांग्रेस को भी गठबंधन में शामिल होने का न्योता**

चंद्रशेखर आजाद ने बीजेपी को चुनाव में हराने के लिए विपक्षी दलों के एकजुट होने की जरूरत बताई। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सामाजिक परिवर्तन मोर्चे में शामिल होने की अपील की। उनका कहना था कि विपक्षी दलों के बीच एक बड़ा गठबंधन बनता तो बीजेपी के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जा सकती थी, लेकिन कुछ नेताओं के अहंकार के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

**गिरिराज सिंह पर ओवैसी का तंज, जवानों की शहादत का उठाया मुद्दा**

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर भी टिप्पणी की। उन्होंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि उन्हें फिलहाल अस्पताल में अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ ही ओवैसी ने बीजेपी नेताओं से जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में शहीद हुए दो जवानों के बारे में बात करने की अपील की। वहीं, चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि किसी को भी राष्ट्रभक्ति का प्रमाण देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि देश और सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित क्यों नहीं हो पा रही है।

## पीडीए की नई परिभाषा पर सपा का जवाब, प्रवक्ता उदयवीर सिंह बोले- 'यह सभी को जोड़ने तरीका'

लखनऊ (एजेंसी)



समाजवादी पार्टी (सपा) ने कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में बताई गई पीडीए की नई परिभाषा पर जवाब दिया है। पार्टी के प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि पीडीए एक समावेशी विचार है। यह सभी को एकजुट करने का एक तरीका है। दरअसल, लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर लगे एक पोस्टर में 'पीडीए' का नया मतलब 'पी- पहले, डी- दर्शन और ए-आशीर्वाद' बताया गया है।

इस पर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा, 'PDA एक समावेशी विचार है। यह सभी को एकजुट करने का एक तरीका है, उन लोगों को जो सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, जो आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, और जिन्हें राजनीतिक रूप से उनके अधिकार, हिस्सेदारी और सम्मान नहीं मिला है। और इसमें बहुत से लोग अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता देखते हैं। यह सोचने का एक नजरिया भी है। उन्होंने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की पार्टी एएसपी (आजाद समाज पार्टी) के बीच गठबंधन की संभावनाओं पर भी प्रतिक्रिया दी। सपा प्रवक्ता ने इस गठबंधन का स्वागत किया और कहा, यह चुनाव का समय है, इसलिए सभी पार्टियां अपनी सुविधा और समझ के हिसाब से गठबंधन बना रही हैं। यह पार्टी भी गठबंधन बना रही है। उनका स्वागत है। उदयवीर सिंह ने आगे कहा, हम भी अपने गठबंधन में हैं। हमारा मकसद भारतीय जनता पार्टी की सरकार को उखाड़ फेंकना है। इसलिए, यह राज्य की जनता को तय करना है कि ऐसे समय में कौन, किस तरह से भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि भाजपा, समाजवादी पार्टी से चिंतित और परेशान है।

## ज्वेलर्स कारोबारी के घर हथियारबंद अपराधियों का धावा, परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट

बेगूसराय (एजेंसी)

बिहार के बेगूसराय में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ज्वेलर्स कारोबारियों और उनके परिवारों को निशाना बनाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला खोदावंदपुर पंचायत के वार्ड संख्या-2 स्थित यूको बैंक के पास का है। यहां बुधवार शाम करीब 6:30 बजे दो बाइक पर सवार छह हथियारबंद अपराधियों ने सजनी ज्वेलर्स के संचालक दशरथ पोद्दार के घर में घुसकर लूटपाट की। वारदात के दौरान अपराधियों ने गृहस्वामी, उनकी पत्नी और पुत्रवधू को हथियार के बल पर शौचालय में बंद कर दिया। इसके बाद जब आसपास के लोग जुटने लगे तो अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए गोलीबारी की और मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। परिजनों के अनुसार, दो बाइक पर सवार होकर छह अपराधी घर पहुंचे थे। सभी ने घर



के नीचे बाइक खड़ी की और सीढ़ियों के रास्ते अंदर दाखिल हो गए। इसके बाद हथियार दिखाकर दशरथ पोद्दार, उनकी पत्नी और पुत्रवधू को शौचालय में बंद कर दिया।

परिवार के सदस्यों को बंधक बनाने के बाद अपराधियों ने घर में लूटपाट शुरू कर दी। बताया जाता है कि शौचालय में बंद दशरथ पोद्दार ने हिम्मत दिखाते हुए डकैत-डकैत चिल्लाना शुरू कर दिया। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटने लगे। भीड़ को अपनी ओर आता देख अपराधियों ने दहशत फैलाने के इरादे से गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सभी अपराधी बाइक पर सवार होकर मुसहरी की ओर फरार हो गए। गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही खोदावंदपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के दौरान दो खोखा और दो गमछा बरामद किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ अमरकांत, पुलिस निरीक्षक महानंद चौधरी के अलावा चेरियाबरियारपुर, मंझौल और छौड़ाही थाने की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। परिजनों ने बताया कि बुधवार शाम करीब 6:30 बजे दशरथ पोद्दार की सजनी ज्वेलर्स दुकान बंद करने के बाद अमरजीत पोद्दार घर आए थे। घर में बही-खाते आदि रखने के बाद वह किसी काम से दोबारा बाजार चले गए थे। इसी दौरान अपराधियों ने घर पर धावा बोल दिया और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। फिलहाल घर से कितने की संपत्ति लूटी गई है।

## घुसपैठियों के सामने नाक रगड़ने वाले देवभूमि के लोगों को बता रहे घुसपैठिया : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंडवासियों को घुसपैठिया बताने वाले बयान पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों से गले मिलते हैं, उनके सामने नाक रगड़ते हैं, वही देवभूमि के लोगों के प्रति जहर उगल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत भी उत्तराखंड से थे।

मां गंगा, यमुना, सरयू, रामी और रामगंगा भी उत्तराखंड से ही आती हैं, ऐसे में उत्तराखंडवासियों को घुसपैठिया कहना छोटी सोच और विभाजनकारी मानसिकता का परिचायक है। सीएम योगी बुधवार को लखनऊ के पंडित गोविंद वल्लभ पंत उपवन में आयोजित उत्तराखंड महोत्सव 2026 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों पर उंगली उठाने वाले देश की रक्षा में उनके योगदान को भूल जाते हैं। उत्तराखंड का नौजवान सीमाओं पर खड़ा होकर यह नहीं देखता कि वह उत्तराखंड की सीमा पर है, अरुणाचल में है या राजस्थान में। उसके लिए देश की सुरक्षा सर्वोपरि होती है। उन्होंने कहा कि छोटी बुद्धि के लोग महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचकर उच्छृंखल व्यवहार करते हैं।

ऐसे लोगों को जनता बार बार ठुकराती है। इनकी संवेदना लोक परंपरा, लोक संस्कृति और लोक आस्था से नहीं, बल्कि दुर्दांत माफियाओं से जुड़ी होती है। माफिया के मरने पर ये आंसू बहाते हैं। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन में निर्दोष भारतीयों पर गोली चलाने का आदेश मिलने पर उन्होंने साफ इनकार कर दिया था। सजा मिलने के बावजूद उनका साहस नहीं टूटा।

## मुंगेर में पति ने पत्नी की धारदार हथियार से हत्या की, वारदात के बाद किया सरेंडर

मुंगेर (एजेंसी)



बिहार के मुंगेर जिले में घरेलू विवाद के चलते एक पति द्वारा अपनी पत्नी की हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जमालपुर थाना क्षेत्र में आरोपी पति ने धारदार हथियार से पत्नी की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। घटना के बाद मृतका के मायके में कोहराम मचा हुआ है। दंपति की दो बेटियां हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना सदर बाजार फाड़ी के समीप की है। मृतका की पहचान पूजा कुमारी के रूप में हुई है। भागलपुर के इशाकचक निवासी पूजा की शादी वर्ष 2015 में धरहरा थाना क्षेत्र के रहने वाले दशरथ मंडल के साथ हुई थी। दशरथ मंडल रेलवे में लोको पायलट के पद पर कार्यरत था और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले चुका था। जानकारी के अनुसार, शादी के कुछ वर्षों बाद ही दोनों के वैवाहिक जीवन में तनाव शुरू हो गया था। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। पारिवारिक स्तर पर कई बार दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिश की गई, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ। एक बार मामला थाने तक भी पहुंचा था। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पूजा को लंबे समय से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

करीब एक साल पहले भी उसके साथ मारपीट की गई थी। इस संबंध में थाने में आवेदन दिया गया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया था। परिजनों के मुताबिक, बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे जमालपुर पुलिस ने पूजा के भाई को फोन कर उसकी हत्या की सूचना दी। इसके बाद मायके के लोग मौके पर पहुंचे तो पूजा मृत अवस्था में पड़ी थी। उसका गला धारदार हथियार से रेता गया था। वहीं, घटना के बाद आरोपी पति ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और एफएसएल की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। मौके से हत्या में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

## बक्सर गोलीकांड : वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में घायल पवन तिवारी की मौत, विवाद में तीन लोगों को लगी थी गोली

बक्सर (एजेंसी)

बिहार के बक्सर जिले के इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बैरी गांव में गुरुवार सुबह हुए गोलीकांड में घायल पवन तिवारी की मौत हो गई। उन्होंने वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पवन के पेट में गोली लगी थी, जिससे उनके अंदरूनी अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा था और काफी रक्तस्राव हुआ था। चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर गोली निकाल दी थी, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी है।

इसके बाद पोस्टमार्टम समेत अन्य कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं। परिजनों के अनुसार, गोली लगने से पवन तिवारी के पेट के अंदरूनी अंग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया था। वहां चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर गोली निकाल दी, लेकिन काफी रक्तस्राव और गंभीर अंदरूनी चोटों के कारण उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिरकार इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पवन की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। गौरतलब है कि बैरी गांव में पानी बहाने और गाय बांधने को लेकर दो पाटीदार पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पहले से भी रंजिश चली आ रही थी। इसी विवाद ने देखते ही देखते मारपीट और गोलीबारी का रूप ले लिया। घटना में पवन तिवारी समेत तीन लोग गोली लगने से घायल हुए थे। इस मामले के मुख्य आरोपी सेना के जवान पुतुल उर्फ जयप्रकाश तिवारी ने बुधवार को इटाढ़ी थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था। वह अपनी लाइसेंसी पिस्टल और दोनाली बंदूक भी पुलिस को सौंपने पहुंचा था।

## बिहार के हाजीपुर में गंगा के कटाव ने बदली छठ पूजा की परंपरा, 20 गांवों के श्रद्धालु घरों में बनाएंगे कृत्रिम घाट

हाजीपुर (एजेंसी)

बिहार के हाजीपुर में गंगा नदी में कटाव और बाढ़ की तबाही का असर अब लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी दिखाई देने लगा है। कभी गंगा किनारे स्थित घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते थे, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह बदल गए हैं। नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण करीब 20 गांवों के लोगों को अपने पारंपरिक छठ घाटों से दूरी बनानी पड़ रही है।

सुरक्षा को देखते हुए इन गांवों के श्रद्धालु अब अपने घरों और गांवों में ही कृत्रिम छठ घाट बनाकर पूजा-अर्चना करने की तैयारी कर रहे हैं। अजय पासवान ने बताया कि बाढ़ और गंगा नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण इलाके के करीब 20 गांव प्रभावित हुए हैं। देसरी, सहदेई, गनियारी, खड़गपुर और आजमपुर



**बाढ़ और गंगा नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण इलाके के करीब 20 गांव प्रभावित हुए हैं। देसरी, सहदेई, गनियारी, खड़गपुर और आजमपुर समेत आसपास के कई गांवों के लोग वर्षों से गंगा किनारे स्थित घाटों पर छठ महापर्व मनाते आ रहे हैं**

समेत आसपास के कई गांवों के लोग वर्षों से गंगा किनारे स्थित घाटों पर छठ महापर्व मनाते आ रहे हैं। इस दौरान गांव के लोग परिवार और आसपास के श्रद्धालुओं के साथ गंगा घाट पहुंचकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते थे। इससे घाटों पर सामूहिक पूजा का विशेष माहौल रहता था। उन्होंने बताया कि इस बार गंगा नदी में भीषण कटाव के कारण पुराने घाटों पर जाना सुरक्षित नहीं रह गया है। नदी के किनारे लगातार जमीन का कटाव हो रहा है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए घाट तक पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। ऐसे में सभी प्रभावित गांवों के लोगों ने अपने-अपने गांवों में कृत्रिम छठ घाट बनाने का निर्णय लिया है। वहीं, मंजय कुमार राम ने बताया कि गंगा नदी में तेजी से कटाव हो रहा है।

इसके कारण नदी किनारे बसे इलाकों में लगातार खतरा बना हुआ है। ऐसे हालात में इस बार गंगा घाट पर जाकर छठ पूजा करना संभव नहीं है। श्रद्धालु अपने घरों में ही पानी की व्यवस्था कर कृत्रिम घाट बनाएंगे और विधि-विधान से भगवान सूर्य की उपासना करेंगे। गंगा किनारे छठ पूजा करना इन गांवों के लोगों की वर्षों पुरानी परंपरा रही है। हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ घाटों पर पहुंचकर छठी मइया की आराधना करते थे। हालांकि, प्राकृतिक आपदा और नदी के कटाव ने इस बार इस परंपरा के स्वरूप को बदल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि छठ महापर्व आस्था, विश्वास और प्रकृति की उपासना का पर्व है। पूजा का स्थान बदलने से उनकी आस्था में कोई कमी नहीं आएगी।

## नकली नोटों के बड़े गिरोह का खुलासा, 500 के 28 जाली नोटों के साथ तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर गांव में पुलिस ने नकली नोटों के कारोबार का खुलासा किया है। पुलिस ने 500 रुपये के 28 जाली नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी करीब 20 हजार रुपये के नकली नोट लेकर आया था। इनमें से छह हजार रुपये के नोट वह स्थानीय बाजार में खपा चुका था, जबकि 14 हजार रुपये के नकली नोट पुलिस ने बरामद कर लिए हैं।

शुरुआती जांच में इस कारोबार के पीछे संगठित गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि गिरोह का नेटवर्क दूसरे राज्यों और सीमावर्ती जिलों तक फैला हुआ है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हुस्सेपुर जोड़काही गांव में एक व्यक्ति नकली नोटों का इस्तेमाल कर रहा है। वह स्थानीय बाजार और लोगों के बीच जाली नोट देकर उन्हें खपाने की कोशिश कर रहा था। सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ सरैया अभिजित कौर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी करीब 20 हजार रुपये के जाली नोट लेकर आया था। इसमें से छह हजार रुपये के नकली नोट वह बाजार में चला चुका था। बाकी 14 हजार रुपये पुलिस ने बरामद कर लिए। बरामद नोट 500 रुपये के हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने किन लोगों को नकली नोट दिए और बाजार में अब तक कितने जाली नोट खपाए जा चुके हैं। ग्रामीण एसपी ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में नकली नोटों की आपूर्ति करने वाले कई अन्य लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली है। जांच में संगठित गिरोह के काम करने की आशंका सामने आई है। गिरोह के संपर्क नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े कुछ लोगों से होने की बात भी सामने आई है।

## ओपी राजभर का अखिलेश पर तंज, बोले- अफवाह फैलाकर यादव को कर रहे बर्बाद

लखनऊ (एजेंसी)

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने अपने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, अखिलेश यादव, आप तो अभी तक सो ही रहे होंगे, लेकिन आपका पीडीए यानी 'पीट देगा अहीर' आपके सीएम बनने की अफवाह भर से सो ही नहीं रहा है।' ओपी राजभर ने इटावा की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि इटावा का गुंडा बिट्टू यादव अखिलेश यादव की दो-चार प्रेस कॉन्फ्रेंस देखकर इतना मनबढ़ हो गया कि उसको लगने लगा है कि अब तो उसकी गुंडई का राज वापस आने ही वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी हनक और



सनक में उसने दलित चंद्रमोहन दिवाकर की संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। जनता ने रोकने की कोशिश की तो पहले जमकर गालियां दीं और फिर दलित चंद्रमोहन दिवाकर को बुरी तरह से पीटा। ओपी राजभर ने बाराबंकी की घटना का भी जिक्र किया।

उन्होंने लिखा कि बाराबंकी में तो आपका गुंडा प्रमोद यादव और भी आगे निकल गया। उसने दलित दिलीप पासी को पीट-पीटकर जान से मार डाला। ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव से सवाल करते हुए लिखा, क्या एक तरफ आपके चाचा बोलते हैं कि कोई गुंडई करे तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दो और वहीं दूसरी तरफ आपके गुंडे अपनी मनमानी कर रहे हैं, जब मन तब दलितों से मारपीट और गाली-गलौज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सही कहते हैं, आप लोगों ने हर चौराहे पर गुंडों को पाल रखा है। राजभर ने पोस्ट में लिखा, मित्र अखिलेश जी, नींद और भ्रम की दुनिया से बाहर आइए और अपने गुंडों को कंट्रोल कीजिए। बताइए कि यादव-यादव बोलकर ज्यादा सीना न ठोंकें, नहीं तो यूपी पुलिस ऐसे लोगों की ऐंठन दूर करने में बहुत काबिल है। फिर आप कहेंगे कि यादव के साथ गलत हो रहा है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के अंत में लिखा, आपका काम यादव को फंसाना नहीं है, लेकिन अफवाह फैलाकर उन्हें बर्बाद कर रहे हैं।

## गाजियाबाद : हैंडल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, दमकल की तीन गाड़ियों ने पाया काबू, बड़ा हादसा टला

गाजियाबाद (एजेंसी)

गाजियाबाद के इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार सुबह हैंडल बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग फैक्ट्री के ऊपरी तल पर बने एक कमरे में लगी थी। देखते ही देखते आग की लपटें कमरे से निकलकर छत पर लगे एसी और अन्य उपकरणों तक पहुंच गई।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल सक्रिय हो गई और तीन फायर टेंडरों के साथ मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों की तत्परता और सूझबूझ से कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी



प्रकार की जनहानि नहीं हुई। अग्निशमन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार, 12 नवंबर को सुबह 7:57 बजे फायर स्टेशन कोतवाली, कमिश्नरेट गाजियाबाद को सूचना प्राप्त हुई कि सीपी सेंचुरी के पास हार्डवेयर जोन स्थित हैंडल बनाने वाली फैक्ट्री में आग लग गई है। यह फैक्ट्री ए-4/3/22, साउथ साइड ऑफ जीटी रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद में स्थित है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में फायर स्टेशन से तीन फायर टेंडरों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने देखा कि फैक्ट्री के ऊपरी तल पर बने एक कमरे में आग लगी हुई थी। आग की लपटें काफी तेजी से फैल रही थीं और छत पर लगे एयर कंडीशनर (एसी) सहित अन्य उपकरणों तक पहुंच चुकी थीं।

आग की स्थिति को देखते हुए अग्निशमन अधिकारी ने तत्काल मोर्चा संभाला और कर्मचारियों को आग बुझाने के निर्देश दिए। इसके बाद चार होज पाइपों की सहायता से आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की गई। दमकलकर्मियों ने पूरी तत्परता, सूझबूझ और आपसी समन्वय के साथ आग पर काबू पाने का प्रयास किया। टीम ने कुछ ही समय में आग को पूरी तरह बुझा दिया। इसके साथ ही आग को फैक्ट्री के आसपास स्थित अन्य औद्योगिक इकाइयों तक फैलने से भी रोक लिया गया। समय रहते आग पर नियंत्रण होने से आसपास की फैक्ट्रियों को भी सुरक्षित बचा लिया गया। यदि आग आसपास की औद्योगिक इकाइयों तक फैल जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस के साथ फैक्ट्री के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया और एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। अग्निशमन विभाग के अनुसार, इस अग्निकांड में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई और न ही कोई जनहानि हुई।

# भारतीय-अमेरिकी अमीश शाह ने टैरिफ और भारतीयों के खिलाफ नफरत बढ़ने पर जताई चिंता

**वाशिंगटन (एजेंसी)**



**भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बात करते हुए, एरिजोना के पहले कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से निर्वाचित शाह ने कहा कि कांग्रेस में उनके काम का मुख्य केंद्र लागत को कम करना होगा। उन्होंने 'इंडिया कॉकस' में शामिल होने का भी वादा किया और कहा कि टैरिफ विवादों को सुलझाने से वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है**

अमेरिका के नवनिर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सांसद अमीश शाह ने भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार के लिए राष्ट्रपति के टैरिफ लगाने के अधिकार पर कांग्रेस के नियंत्रण की वकालत की है। कांग्रेस को यह अधिकार वापस लेना चाहिए, ताकि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा सके। बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बात करते हुए, एरिजोना के पहले कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से निर्वाचित शाह ने कहा कि कांग्रेस में उनके काम का मुख्य केंद्र लागत को कम करना होगा।

उन्होंने 'इंडिया कॉकस' में शामिल होने का भी वादा किया और कहा कि टैरिफ विवादों को सुलझाने से वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। भारत-अमेरिका संबंधों की मौजूदा स्थिति पर शाह ने कहा कि टैरिफ उन प्रमुख कारणों में से एक रहे हैं, जिनकी वजह से दोनों देशों के रिश्तों में कुछ तल्खी आई है। इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अन्य देशों के साथ भी अमेरिका के संबंध प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, 'टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति के बजाय कांग्रेस के पास होना चाहिए। कांग्रेस को अपना संवैधानिक अधिकार वापस लेना चाहिए।' उनका मानना है कि ऐसा होने के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। शाह ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी कारोबारी समुदाय ने भी टैरिफ को लेकर अपनी चिंताएं उनके सामने रखी हैं।

कई उद्यमियों ने उनसे शिकायत की है कि बार-बार टैरिफ लगाए जाने और हटाए जाने से उनके कारोबार पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, भारतीय उद्यमियों की समस्याएं केवल एक समुदाय का मुद्दा नहीं हैं, बल्कि इनका संबंध अमेरिकी अर्थव्यवस्था और छोटे कारोबारियों के हितों से भी है। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान एक पिज्जा दुकान का उदाहरण देते हुए बताया कि दुकान की मालकिन ने उन्हें बताया था कि टैरिफ के कारण टमाटर महंगे हो गए हैं और पिज्जा की कीमत बढ़ानी पड़ रही है। शाह ने कहा कि आम अमेरिकियों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए अधिक कीमत चुकाने को मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, टैरिफ वापस लेने और इस संबंध में कांग्रेस की भूमिका मजबूत करने को वह अपनी प्राथमिकताओं में रखेंगे। अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ बढ़ती नफरत और नस्लीय टिप्पणियों पर चिंता जताते हुए शाह ने कहा कि पिछले छह महीने से एक साल के दौरान उन्होंने अपने जीवनकाल में भारतीयों के खिलाफ इतनी नफरत पहले कभी नहीं देखी।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति इसलिए भी निराशाजनक है, क्योंकि भारतीय-अमेरिकी समुदाय लंबे समय से अमेरिका में उद्यमिता, रोजगार सृजन, चिकित्सा और अर्थव्यवस्था के दूसरे क्षेत्रों में योगदान देता रहा है। शाह ने कहा कि समुदाय के लोगों के लिए ऐसी नकारात्मक टिप्पणियां सुनना दुखद है। सोशल मीडिया पर भी इस तरह की टिप्पणियां देखने को मिलती हैं। उन्होंने अपनी फुटबॉल टीम का उत्साह बढ़ा रहे छात्रों के लिए की गई टिप्पणियों को याद किया और कहा कि वे नॉर्थवेस्टर्न में अपने दिनों के दौरान खुद को उनकी जगह पर रखकर देख सकते हैं। कुछ मामलों में सार्वजनिक पदों के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की ओर से भी ऐसी बातें कही गई हैं। उन्होंने कहा कि कई भारतीय-अमेरिकी इस माहौल में खुद को डरा हुआ और अकेला महसूस करते हैं। ऐसे समय में निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे समुदाय के साथ खड़े हों, नफरत की निंदा करें और सार्वजनिक मंचों से इसके खिलाफ आवाज उठाएं। जहां जरूरत हो, वहां सुरक्षा बढ़ाने के लिए विधायी कदम भी उठाए जाने चाहिए। धार्मिक स्थलों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए शाह ने इलिनॉय के ऑरोरा स्थित बालाजी मंदिर में नवरात्रि के दौरान हुई घटना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी घटना थी, जिसमें बड़ा हादसा होते-होते बचा।

## न्यूयॉर्क के बाद एलए में भी भारतीय मूल की मेयर, नित्या रमन लेंगी शपथ

**वाशिंगटन (एजेंसी)**



भारतवंशी नित्या रमन अगले महीने लॉस एंजिल्स की मेयर के रूप में पदभार संभालेंगी। उनके शपथ ग्रहण के साथ ही अमेरिका के दो सबसे बड़े शहरों की कमान भारतीय मूल के अमेरिकियों के हाथों में होगी। वह न्यूयॉर्क के मेयर जोरान ममदानी के साथ मिलकर अमेरिकी स्थानीय प्रशासन में भारतीय प्रवासियों की मौजूदगी का एक अहम पड़ाव तय करेंगी। न्यूयॉर्क में 86 लाख (8.6 मिलियन) और लॉस एंजिल्स में 39 लाख (3.9 मिलियन) को मिलाकर इन शहरों में कुल 1.25 करोड़ (12.5 मिलियन) लोग रहते हैं।

ममदानी ने 1 जनवरी को अपना पद संभाला था। रमन अभी 'मेयर-इलेक्ट' (चुनी गई मेयर) हैं और उनका कार्यकाल 14 दिसंबर से शुरू होगा। सत्ता हस्तांतरण (ट्रांजिशन) होने तक कैरेन बास लॉस एंजिल्स की मेयर बनी रहेंगी। रमन का जन्म केरल में हुआ था और वह 6 साल की उम्र में अमेरिका आ गई थीं। ममदानी का जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था; उनकी मां फिल्म निर्माता मीरा नायर और पिता शिक्षाविद महमूद ममदानी हैं। वह भारतीय मूल के हैं, लेकिन उनका जन्म भारत में नहीं हुआ था। मेयर्स के रिकॉर्ड और जीवनियों को देखने से पता चलता है कि इस समुदाय का प्रतिनिधित्व केवल इन दो तटीय शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें राज्यों की राजधानियां, औद्योगिक शहर और उपनगरीय कस्बे भी शामिल हैं। ओहियो के सिनसिनाटी में, आफताब प्योरवाल अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। 2021 में पहली बार चुने जाने पर, वह शहर के पहले एशियाई-अमेरिकी मेयर बने थे। उनका मौजूदा कार्यकाल जनवरी 2030 तक चलेगा। वर्जीनिया के रिचमंड में, हैदराबाद में जन्मे डैनी अवुला नेतृत्व कर रहे हैं, जो 1979 में अपने माता-पिता के साथ अमेरिका आ गए थे।

## न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में ढही 96 साल पुरानी तीन मंजिला रिहायशी इमारत : 1 की मौत

**न्यूयॉर्क (एजेंसी)**



अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार शाम एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट और आपदा प्रबंधन दलों ने मलबे में दबे छह महीने की गर्भवती महिला समेत दो लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। फिलहाल मलबे के नीचे अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते युद्धस्तर पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। 1930 में बनी थी इमारत, चार परिवारों का था निवास हादसे का समयः न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब चार बजे के तुरंत बाद ब्रुकलिन स्थित इस इमारत के गिरने की सूचना प्राप्त हुई। इमारत का इतिहासः वर्ष 1930 में निर्मित इस तीन मंजिला रिहायशी भवन में चार फ्लैट बने हुए थे।

घटनास्थल की ड्रोन तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि ध्वस्त हुई इमारत का मलबा ठीक बगल में चल रहे एक निर्माण स्थल (कंस्ट्रक्शन साइट) के गहरे गड्ढे में जा गिरा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घायलों में बगल की साइट पर काम कर रहे निर्माण मजदूर भी शामिल हैं। गर्भवती महिला को सुरक्षित निकालाः हादसे के बाद मौके पर दर्जनों दमकलकर्मी, बचाव दल और खोजी श्वान (स्निफर डॉग्स) तैनात किए गए। इमारत का ढांचा अस्थिर होने के कारण बचावकर्मी बेहद सावधानी बरतते हुए हाथों और बाल्टियों के जरिए मलबा हटाते नजर आए। इस दौरान एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने स्थानीय चैनल से बातचीत में उम्मीद जताई कि बचाई गई महिला उनकी पत्नी हैं, जो छह महीने की गर्भवती हैं। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं। एक अन्य व्यक्ति का भी रेस्क्यूः महिला के बाद बचाव दल ने मलबे से एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। इन दोनों लोगों को निकालने से पहले तक कुल 10 घायलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

## स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

**मैड्रिड (एजेंसी)**



स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई।

हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है।

किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं। बार्सिलोना में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर अवरोध लगाए और कुछ स्थानों पर टायर जलाए। मैड्रिड में थोक बाजार के पास प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने देशभर में कई गिरफ्तारियां भी कीं। स्पेन में आवास संकट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केंद्रीय बैंक के मुताबिक देश में करीब 7.5 लाख मकानों की कमी है, जो 2028 तक बढ़कर 10 लाख से अधिक हो सकती है।

पिछले एक दशक में औसत किराया करीब 80 प्रतिशत और मकानों की कीमतें 63 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। युवा स्पेनियों के लिए स्थिति विशेष रूप से कठिन है। देश में औसत मासिक किराया 1,176 यूरो तक पहुंच गया है, जो एक युवा व्यक्ति के औसत मासिक वेतन का लगभग 98.7 प्रतिशत है। प्रदर्शनकारियों और किरायेदार संगठनों ने कमजोर वर्गों की बेदखली रोकने, किराये पर नियंत्रण लगाने और कम अवधि के लिए मकान किराये पर देने की व्यवस्था पर सख्ती करने की मांग की है। वहीं, कारोबारी संगठनों का कहना है कि आवास संकट का समाधान नए मकानों का निर्माण बढ़ाने और निर्माण क्षेत्र में करों को कम करने से निकल सकता है। इस हड़ताल का राजनीतिक महत्व भी है। स्पेन में 29 नवंबर को आम चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने समय से पहले चुनाव कराने का फैसला ऐसे समय किया है, जब आवास संकट, भ्रष्टाचार के आरोपों और रेल दुर्घटना को लेकर उनकी सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दक्षिणपंथी दल भी आवास संकट को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं।

## काशीपुर में फर्नीचर के बड़े गोदाम में लगी आग, डेढ़ दर्जन से अधिक दमकल वाहनों ने पाया काबू

**काशीपुर (एजेंसी)**

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के काशीपुर में चीमा चौराहे के पास स्थित फर्नीचर के एक बड़े गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर पहुंची डेढ़ दर्जन से अधिक दमकल वाहनों ने आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार गोदाम से उठती ऊंची-ऊंची लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा फर्नीचर, फोम और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। इस अग्निकांड में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग पर काबू पाने के लिए काशीपुर सहित आसपास के क्षेत्रों और विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से डेढ़ दर्जन से अधिक दमकल वाहन मौके पर बुलाए गए। यह घटना काशीपुर के व्यस्ततम चीमा चौराहे के पास स्थित इस फर्नीचर गोदाम में हुई, जिस समय गोदाम आग लगी वहां बड़ी मात्रा में फर्नीचर, फोम और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। इसके चलते आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही देर में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट या आतिशबाजी की चिंगारी से फोम में आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही काशीपुर अग्निशमन विभाग की टीम दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंच गई। आग की भयावहता को देखते हुए इंडिया ग्लाइकोल लिमिटेड, नैनी पेपर मिल और सिद्धार्थ पेपर मिल सहित आसपास की औद्योगिक इकाइयों से भी दमकल वाहन बुलाए गए।

## नियमों के तहत कारोबार करने वाले केमिस्टों को नहीं होगी अनावश्यक परेशानी : ड्रग कंट्रोल अधिकारी

**संजय मिश्रा/ओपन सर्च ब्यूरो**



**जीरकपुर।** जीरकपुर केमिस्ट एसोसिएशन की ओर से वीरवार को होटल होक्सटन में वार्षिक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ड्रग कंट्रोल विभाग के अधिकारियों ने दवा विक्रेताओं को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि जो केमिस्ट निर्धारित नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार अपना कारोबार कर रहे हैं, उन्हें विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि विभाग की ओर से प्रत्येक कार्रवाई पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के तहत ही की जाएगी। कार्यक्रम में नगर परिषद के चेयरमैन गुरप्रीत सिंह विर्क, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जसवीर सिंह, जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी जसबीर प्रताप सिंह, ड्रग कंट्रोल अधिकारी जयजयकार सिंह, जिला मोहाली केमिस्ट एसोसिएशन के प्रधान अमरदीप सिंह, जीरकपुर केमिस्ट एसोसिएशन के प्रधान पुनीत कुमार और महासचिव राजीव चाठली विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा क्षेत्र के बड़ी संख्या में केमिस्ट और दवा विक्रेताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। सीएमई कार्यक्रम के दौरान दवाओं की खरीद-फरोख्त, उनके उचित भंडारण, आवश्यक दस्तावेजों और बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड के रखरखाव को लेकर विस्तार से जानकारी साझा की गई। ड्रग कंट्रोल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दवा विक्रेताओं के लिए लाइसेंस की शर्तों और संबंधित कानूनी नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। इससे दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ मरीजों को सुरक्षित दवाएं उपलब्ध करवाना भी सुनिश्चित होता है।

इस अवसर पर केमिस्टों ने विभागीय जांच, नियमों की व्यावहारिक जटिलताओं और कारोबार के दौरान आने वाली समस्याओं को लेकर अधिकारियों के समक्ष अपने सवाल रखे। अधिकारियों ने सभी सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नियमों के अनुसार काम करने वाले व्यापारियों को बेवजह परेशान करने का विभाग का कोई उद्देश्य नहीं है। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

जीरकपुर केमिस्ट एसोसिएशन के प्रधान पुनीत कुमार और महासचिव राजीव चाठली ने कहा कि एसोसिएशन का प्रयास है कि सभी सदस्य दवाओं की बिक्री और भंडारण से जुड़े नियमों की पूरी जानकारी रखें। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों के साथ इस तरह का सीधा संवाद होने से गलतफहमियां दूर होती हैं और केमिस्टों को अपने कारोबार को बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिलती है।

## छठ पर्व : मुंबई के स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़, टिकट के लिए घंटों तक इंतजार कर रहे लोग

**मुंबई (एजेंसी)**

देशभर के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में यात्री छठ पूजा नजदीक आने के साथ अपने गृह नगरों के लिए रवाना हो रहे हैं। मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की भारी भीड़ है। इस बीच यात्रियों को ट्रेन और टिकटों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

हालांकि, यात्रियों ने स्टेशनों पर ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संतोष जताया। लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) रेलने स्टेशन पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और अन्य पूर्वी राज्यों के यात्री बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनें चलाने और अन्य इंतजाम करने के बावजूद त्योहार की इस भीड़-भाड़ के दौरान यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी एक युवक ने कहा, 'मैं पिछले चार दिन से टिकट का इंतजार कर रहा था। सुबह 8 बजे से स्टेशन पर बैठे हैं और कुछ देर में ट्रेन रवाना होगी।' युवक ने कहा कि भीड़ अधिक है और इसके कारण ट्रेनों में सीट मिल पाना मुश्किल होता है। बिहार के निवासी अशोक ने कहा कि छठ पर्व के लिए घर लौटते समय सबसे बड़ी मुश्किल टिकट की होती है। कई दिनों के इंतजार करने के बावजूद टिकट नहीं मिल पाती है। स्टेशन पर भी टिकट मिल पाना मुश्किल होता है। अशोक ने बताया कि वे बुधवार दोपहर से स्टेशन पर ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सफर के दौरान भीड़ में यात्रियों के बीच आपसी विवाद और कहासुनी अक्सर होती है। ऐसी परेशानियों से जूझते हुए जाना होता है। बुधवार दोपहर 3 बजे से स्टेशन पर बैठी एक महिला ने गुरुवार सुबह बताया, मैं छठ पर पहली बार अपने घर जा रही हूं। यहां रेलवे स्टेशन पर बहुत भीड़ है। इस बार टिकट कंफर्म नहीं हुआ, इसलिए स्टेशन से टिकट के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

## पंजाब में बढ़ी पराली जलाने की घटनाएं, फिरोजपुर में सबसे ज्यादा मामले

**चंडीगढ़ (एजेंसी)**



धान की कटाई के सीजन के बीच पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में अब तक कुल 5,517 पराली जलाने के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में दर्ज कुल घटनाओं में फिरोजपुर 728 मामलों के साथ सबसे ऊपर है। वहीं पटियाला जिले में 374 मामले दर्ज किए गए हैं, जिससे वह पराली जलाने की सबसे ज्यादा घटनाओं वाले जिलों में पांचवें स्थान पर है। पीपीसीबी की रिपोर्ट, जो बुधवार (11 नवंबर) तक की है, बताती है कि पंजाब में कुल 32.87 लाख हेक्टेयर धान क्षेत्र में से अब तक 96.65 प्रतिशत कटाई हो चुकी है। इस बीच, जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और पराली जलाते पाए गए किसानों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। यह तब हो रहा है जब उत्तर भारत प्रदूषण स्तर से जूझ रहा है। प्रवर्तन उपायों के तहत, अधिकारियों ने राज्य भर में 4,620 खेतों का निरीक्षण किया है, जबकि 2,003 जगहों पर पराली जलाने की घटनाओं का भौतिक सत्यापन किया गया है। अधिकारियों ने पराली जलाने के मामलों में 'पर्यावरण मुआवजा' के रूप में 85.90 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इस राशि में से अब तक 37.55 लाख रुपए वसूल किए जा चुके हैं। इसके अलावा, 1,259 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि 1,637 मामलों में राजस्व रिकॉर्ड में 'रेड एंट्री' दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने पराली जलाने में कथित रूप से शामिल लोगों को 1,435 चेतावनी और कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। पटियाला जिले में कुल 2.314 लाख हेक्टेयर धान क्षेत्र में से करीब 98 प्रतिशत कटाई हो चुकी है। इतनी ज्यादा कटाई के बावजूद जिले में अब तक 374 पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें से अधिकारियों ने 282 खेतों का निरीक्षण किया है, जबकि 184 जगहों पर घटनाओं का भौतिक सत्यापन पूरा हो चुका है। जिला प्रशासन ने पराली जलाने के लिए जिम्मेदार पाए गए लोगों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई भी शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, पटियाला में पर्यावरण मुआवजे के रूप में 6.70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, जिसमें से 2.60 लाख रुपए वसूल किए गए हैं। इसके अलावा, 153 पराली जलाने के मामलों में एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि 120 मामलों में राजस्व रिकॉर्ड में 'रेड एंट्री' की गई है।

## भस्म आरती दर्शन : राजसी स्वरूप में सजे बाबा, चांदी का मुकुट और मुंडमाला धारण कर भस्म रमाई, गूंजा जय श्री महाकाल

**उज्जैन (एजेंसी)**



विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार सुबह 4 बजे कार्तिक शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर भस्म आरती हुई। इस दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत अभिषेक कर राजसी स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद भगवान को भस्म अर्पित की गई। दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। इस दौरान मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के जयकारों से गूंज उठा।

मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद पुजारी और पुरोहितों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन किया।

भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने के बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के पश्चात बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंडमाला धारण कराई गई। भगवान को रुद्राक्ष की माला से भी सजाया गया। राजसी श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। भस्म आरती में शामिल श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर जय श्री महाकाल का उद्घोष करते रहे।

## किश्तवाड़ में लापता दो SPO के शव बरामद, आतंकियों की गोलीबारी के बाद से थे गायब

**किश्तवाड़ (एजेंसी)**

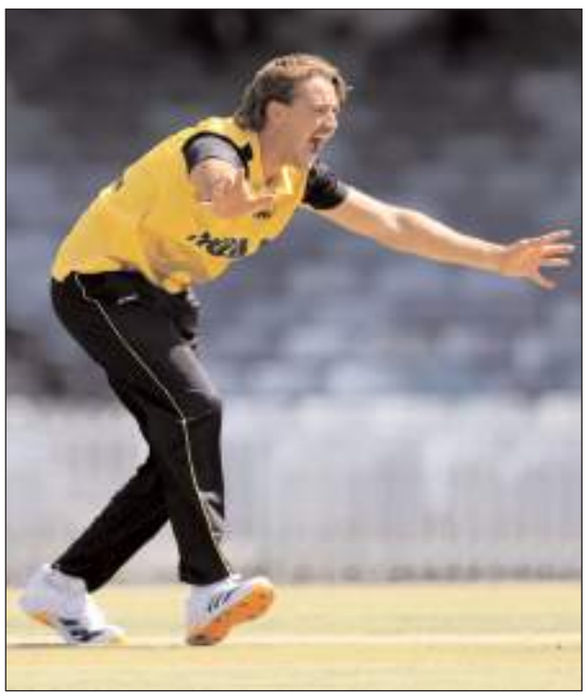


जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार से लापता दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर के शव गुरुवार सुबह बरामद किए गए। दोनों जवानों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। उनके हथियार भी गायब बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में दो लापता SPO के शव मिलने से इलाके में तनाव का माहौल है। मृतकों की पहचान रशपाल कुमार (40) और बॉबी चंद (54) के रूप में हुई है। दोनों स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप से जुड़े थे। सुरक्षा बलों ने उनके शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, एक जवान का शव सुबह करीब 8 बजे, जबकि दूसरे का शव लगभग 9 बजे बरामद किया गया। जानकारी के मुताबिक, 11 नवंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे मारवाह के देहरना जंगल में स्थानीय लोगों ने गोली चलने की आवाजें सुनी थीं। इसके कुछ ही समय बाद दोनों जवानों से संपर्क टूट गया। उनके मोबाइल फोन भी बंद हो गए थे। बताया जा रहा है कि दोनों SPO बसनन इलाके में तैनात सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स (17 RR) की एक टुकड़ी के साथ गश्त कर रहे थे और देहरना पोस्ट की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान उनसे संपर्क नहीं हो पाया। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। लापता जवानों की तलाश के लिए भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और RPF के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाया। गुरुवार सुबह घने जंगल से दोनों के शव बरामद हुए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोनों जवानों के शरीर पर गोलियों के कई निशान हैं। इसके अलावा उनके हथियार भी मौके से नहीं मिले हैं। इनमें एक .303 राइफल और दूसरी INSAS राइफल बताई जा रही है। दोनों SPO के शव मिलने के बाद किश्तवाड़ से बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दो जवानों की हत्या बेहद दुखद है। बुधवार रात उनके लापता होने की सूचना मिली थी और गुरुवार सुबह उनके शव बरामद किए गए। शगुन परिहार ने पाकिस्तान पर नापाक साजिशें जारी रखने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री से दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि इन दो जवानों की मौत के जिम्मेदार लोगों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो इस नुकसान के मुकाबले चार गुना बड़ी हो।

# इंग्लैंड के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू करेंगे महली बियर्डमैन, कप्तान मिचेल मार्श ने की पुष्टि

**नई दिल्ली, (एजेंसी)**



**कप्तान मिच मार्श ने पुष्टि की है कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन अपने घरेलू मैदान पर 50 ओवर के फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू करेंगे। 21 वर्षीय इस तेज गेंदबाज के चयन से उन्हें अपने घरेलू दर्शकों के सामने सबसे बड़े स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिला है**

इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी लाइन-अप में एक नया चेहरा देखने को मिलेगा। कप्तान मिच मार्श ने पुष्टि की है कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन अपने घरेलू मैदान पर 50 ओवर के फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू करेंगे। 21 वर्षीय इस तेज गेंदबाज के चयन से उन्हें अपने घरेलू दर्शकों के सामने सबसे बड़े स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिला है। ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों - पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड - के बिना उतर रहा है।

गुरुवार को मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्श ने टीम में बियर्डमैन की जगह पक्की होने की पुष्टि की। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया अपनी बाकी प्लेइंग इलेवन का खुलासा टॉस के समय करेगा। बियर्डमैन को यह मौका एक ऐसे सीजन के बाद मिला है, जिसमें उन्हें पीठ की चोट (बैक स्ट्रेस इंजरी) से उबरने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। इस चोट के कारण वह सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। इससे पहले, जनवरी में लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ अपने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 33 रन देकर 2 विकेट लिए थे। सितंबर में उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की और भारत के खिलाफ 'ऑस्ट्रेलिया ए' के 50 ओवर के दौरे पर भी अच्छा प्रभाव डाला। दो मैचों में उन्होंने कुल 5 विकेट चटकाए, जिसमें पहले मैच में 4 विकेट लेना शामिल था। इस दौरान उन्होंने साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को आउट किया था। उनकी तेज गति से गेंदबाजी करने की क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनके शामिल होने को लेकर काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। बियर्डमैन ने बताया कि घरेलू सीजन की शुरुआत में वह लगातार 140 किमी/घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे। वह अपनी इसी आक्रामक शैली को अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

इंग्लैंड सीरीज से पहले उन्होंने 'क्रिकेट डॉट कॉम एयू' से कहा, 'अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं और अच्छा क्रिकेट खेलूं, तो मुझे पता है कि मुझे मौके जरूर मिलेंगे। अभी मेरा पूरा ध्यान बस तैयार रहने पर है, ताकि अगर ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कोई मौका मिले तो मैं उसके लिए तैयार रहूं। मेरी कोशिश तेज गेंदबाजी करने की है, ताकि मैं बाकी गेंदबाजों से थोड़ा अलग दिख सकूं। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण में लेग-स्पिनर एडम जम्पा और टीम के दूसरे सबसे अनुभवी विशेषज्ञ गेंदबाज जेवियर बार्टलेट के अलावा बाकी खिलाड़ी काफी अनुभवहीन लग रहे हैं। स्पेंसर जॉनसन, जैक एडवर्ड्स और लियाम स्कॉट के रूप में टीम के पास तेज गेंदबाजी के और भी विकल्प मौजूद हैं। वहीं, बल्लेबाजी की अगुवाई मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड करेंगे।

14 सदस्यीय टीम में जोश इंग्लिस, कूपर कोनोली, कैमरून ग्रीन, मैथ्यू रेनशॉ, ओलिवर पीक और एलेक्स कैरी भी शामिल हैं। पाकिस्तान में अपने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के बारे में बात करते हुए बियर्डमैन ने कहा, पहला मैच हमेशा सबसे मुश्किल होता है। जाहिर है कि घबराहट और अनिश्चितता की वजह से। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे पाकिस्तान में वह अनुभव मिला और मैं अपना पहला मैच खेल सका। अब मेरी कोशिश यही है कि पाकिस्तान में जो कुछ भी सीखा और अनुभव किया, उसे आगे के मैचों में काम में लेकर आऊं। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और ऐसा लग रहा है कि मैं इस सीजन के लिए काफी अच्छी तरह तैयार हो रहा हूं।

# कप्तान पैट कमिंस और उनकी पत्नी के बीच बहस की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कमिंस का ये वीडियो उस्मान ख्वाजा के बॉल-टैम्परिंग विवाद पर उनके प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की घोषणा की चर्चा के बीच वायरल है। वीडियो में वह अपनी पत्नी बेकी के साथ बात करते हुए नजर आ रहे हैं। द ऑस्ट्रेलियन द्वारा बुधवार को प्रकाशित वीडियो फुटेज के मुताबिक, कमिंस और बेकी को पास की एक प्रॉपर्टी में जाने से पहले बातचीत करते हुए देखा गया। टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इस बातचीत के दौरान काफी शांत दिखे। वहीं, उनकी पत्नी गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही थीं।

हालांकि, दोनों के बीच क्या बातचीत हो रही थी, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। उस्मान ख्वाजा की हाल में प्रकाशित किताब 'सब्र' में बॉल-टैम्परिंग विवाद पर किए गए उनके दावों पर कमिंस प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। इसकी घोषणा कमिंस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की है। कमिंस ने एक्स पर लिखा, मैं कल सुबह क्रिकेट सेंट्रल में ट्रेनिंग कर रहा हूं, इससे पहले कि ब्लूज शील्ड मैच खेलें। इस सप्ताह की घटनाओं के बारे में सुबह 9.30 बजे किसी भी और सभी मीडिया से बात करके खुशी होगी। मैंने उस्मान के आरोपों की लंबी सूची और पूरे विषय को बेहतर ढंग से समझने के लिए कुछ समय लिया है ताकि मैं ठीक से जवाब दे सकूं। उन्होंने लिखा, इसके बाद कृपया रुकें और ब्लूज को सपोर्ट करें। मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से डिटेल्स भेजने के लिए कहूंगा।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में 2018 में केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए टेस्ट में हुए बॉल-टैंपरिंग विवाद का जिक्र किया है। ख्वाजा ने कहा है कि इस घटना के लिए डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को जिम्मेदार ठहराया गया था, जबकि पूरी टीम को इसकी जानकारी थी। बॉल-टैंपरिंग मामले की जानकारी पूरी टीम को होने के ख्वाजा के दावे ने विवाद खड़ा कर दिया है। कमिंस उस टेस्ट का हिस्सा थे, इसलिए उनके बयान का क्रिकेट फैंस को इंतजार है।

## 'मेरा इरादा कभी लोगों या चुनावी परिणाम को प्रभावित करना नहीं था': अभिनव बिंद्रा

**नई दिल्ली, (एजेंसी)** ओलंपिक पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा करते हुए इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से जुड़ी अपनी भावना व्यक्त की है। ताजा पोस्ट में बिंद्रा ने 31 अक्टूबर 2026 को लिखा एक अन्य पत्र भी साझा किया है। अभिनव बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, बदकिस्मती से, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के साथ मेरी निजी बातचीत सार्वजनिक हो गई।

हाल की मीडिया रिपोर्ट्स में इसके रेफरेंस को देखते हुए, मैंने 31 अक्टूबर 2026 का अपना पूरा पत्र साझा करना सही समझा, ताकि उसका मकसद और संदर्भ स्पष्ट हो सके। उन्होंने लिखा, 'यह पत्र चुनाव से पहले, कंस्ट्रक्टिव एंगेजमेंट की भावना से और भारतीय खेलों के बड़े हितों को ध्यान में रखकर लिखा गया था। मैंने आईओए संविधान और इलेक्टोरल रूल्स के बीच एक साफ अंतर के बारे में एक खास सवाल उठाया था। हालांकि मुझे इस बात का इशारा मिला कि किन नियमों को फॉलो किया जा रहा है, लेकिन असल संवैधानिक सवाल का जवाब नहीं मिला। आज तक, मुझे इलेक्टोरल ऑफिसर या आईओए नेतृत्व से कोई खास स्पष्टता नहीं मिली है।

## हरभजन सिंह ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से की मुलाकात



**देहरादून, (एजेंसी)**

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने गुरुवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। हरभजन ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। हरभजन सिंह ने एक्स पर सीएम धामी से मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आज मुझे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, पुष्कर सिंह धामी से उनके घर पर मिलने का मौका मिला।

हमारी मीटिंग के दौरान, हमने उत्तराखंड में खेल सुविधाओं को और बेहतर बनाने, राज्य के एथलीटों को बढ़ावा देने, उन्हें बेहतर मौके और सुविधाएं देने और राज्य में खेल संरचना को विकसित करने पर अच्छी चर्चा की। उन्होंने लिखा, मुख्यमंत्री से मिलकर और खेल के भविष्य पर अपने विचार साझा करके खुशी हुई। हरभजन ने सीएम के लिए लिखा, आपको मेरी दिल से शुभकामनाएं। मैं उत्तराखंड और देश के विकास में योगदान देने के लिए हमेशा तैयार हूं, चाहे वह खेल में हो या किसी और क्षेत्र में। मुझे विकसित भारत के विजन में योगदान देकर बहुत खुशी होगी। धन्यवाद। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी हरभजन सिंह से मुलाकात की तस्वीर अपने एक्स अकाउंट पर साझा करते हुए लिखा, 'मैं राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह से मिला। उन्होंने अपनी शानदार स्पिन गेंदबाजी से विश्व क्रिकेट में एक खास जगह बनाई है। मैंने उनके साथ कई विषयों पर बात की, भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान, खेल के प्रति उनके समर्पण और उनकी उपलब्धियों की तारीफ की। '

# मैं यहां अपनी यादों को ताजा करने नहीं आया हूं', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर बोले मार्श

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श ने 2018 के बॉल-टैम्परिंग विवाद को लेकर उस्मान ख्वाजा द्वारा किए गए बड़े दावों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह उस घटना को पीछे छोड़ चुके हैं और साउथ अफ्रीका दौरे के उस मुश्किल दौर की यादों में दोबारा नहीं लौटना चाहते। हाल ही में प्रकाशित अपनी किताब 'सब्र' में उस्मान ख्वाजा ने 2018 के बॉल-टैम्परिंग विवाद को लेकर बड़े दावे किए हैं।

ख्वाजा का कहना है कि इस योजना की जानकारी केवल उन तीन खिलाड़ियों तक सीमित नहीं थी, जिन्हें बाद में सजा दी गई थी, बल्कि टीम के भीतर और लोगों को भी इसके बारे में पता था। उनके इस खुलासे ने एक बार फिर उस विवाद को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ख्वाजा के दावों के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के अन्य सदस्यों और सपोर्ट स्टाफ को कथित बॉल-टैम्परिंग योजना की कितनी जानकारी थी। हालांकि, इस मामले में जिन खिलाड़ियों को आधिकारिक तौर पर दंडित किया गया था, वही अब तक इस स्कैंडल के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से बचते हुए कहा कि वह उस घटना से आगे बढ़ चुके हैं और अतीत की उन यादों को दोबारा नहीं खंगालना चाहते।

उनके अनुसार, अब टीम का ध्यान वर्तमान चुनौतियों और भविष्य पर है, न कि पुराने विवादों पर। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए मार्श ने कहा, बहुत शोर मचा है और मैं इस बात का सम्मान करता हूं कि कुछ लोगों ने अपनी कहानियां बताई हैं, लेकिन मैं आज यहां अपनी कहानियां शेयर करने के लिए नहीं हूं। मुझे पता है कि यह अजीब लग सकता है, लेकिन यह हमारे लिए एक बड़ा हफ्ता है और इस वनडे ग्रुप के लिए एक जरूरी समय है, और मेरा पूरा फोकस मैच की तैयारी पर रहा है। मैं यहां साउथ अफ्रीका की अपनी यादों को ताजा करने के लिए नहीं हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं सच में इस बात का सम्मान करता हूं कि ख्वाजा ने अपनी कहानी बताई है, उन्होंने अपनी किताब लिखी है, और मेरा फोकस सच में कल होने वाले मैच पर है।

मेरा ईमानदार जवाब यह है कि मैं आगे बढ़ गया हूं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने यह भी बताया कि मंगलवार को किताब के लॉन्च होने से पहले उन्होंने और ख्वाजा ने इस पर चर्चा की थी। इसे एक प्राइवेट फोन पर हुई बातचीत बताते हुए, मार्श ने कन्फर्म किया कि दोनों ने दावों और घटना के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की जांच के बारे में बात की थी।

## अर्शदीप सिंह ने समरीन कौर से की सगाई, न्यूजीलैंड में एक-दूसरे को पहनाई अंगूठी

**नई दिल्ली (एजेंसी)** भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अभिनेत्री और मॉडल समरीन कौर से न्यूजीलैंड में सगाई कर ली है। समरीन ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। अर्शदीप और समरीन लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और दोनों को कई बार एकसाथ देखा गया था। हालांकि, अर्शदीप और समरीन ने अब जिंदगी की नई पारी का आगाज किया है। समरीन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में समरीन के साथ तस्वीरें शेयर कीं।

एक तस्वीर में समरीन की उंगली में अंगूठी नजर आ रही है। वहीं, एक अन्य तस्वीर में अर्शदीप समरीन को प्रपोज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। समरीन ने अपने पोस्ट में लिखा, और जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उसमें से मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि उसने हमें एक-दूसरे से मिलाया। जीवन भर साथ रहने के लिए।11.11.2026। हेलो मगेतर। अर्शदीप इस समय भारतीय टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में अर्शदीप का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है। पांच मैचों की टी20 सीरीज में अर्शदीप ने दूसरे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

# डब्ल्यूटीए फाइनल्स : मीरा एंड्रीवा ने सबालेंका को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

**इंडियन वेल्स (एजेंसी)**



मीरा एंड्रीवा ने दिग्गज एरिना सबालेंका को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 62 मिनट तक चले मुकाबले में एंड्रीवा ने सबालेंका को 6-4, 6-0 से हराया। एंड्रीवा ने आखिरी 11 गेम जीते और आखिरी 55 में से 45 पॉइंट हासिल किए और 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं।

वह 2003 में मौजूदा राउंड-रॉबिन फॉर्मेट शुरू होने के बाद से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं टीनएजर हैं, इससे पहले मारिया शारापोवा, एना इवानोविच, वोज्नियाकी और कोको गॉफ भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। इस जीत ने एक और मील का पत्थर भी बनाया। अपने शुरुआती राउंड-रॉबिन मैच में एलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-0 से हराने के बाद, एंड्रीवा टूर्नामेंट के इतिहास में पहली ऐसी खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने अपने पहले दो डब्ल्यूटीए फाइनल्स मैचों में से हर एक में 6-0 का सेट जीता। 2026 में एक टॉप 10 जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एंट्री करने के बाद, एंड्रीवा ने इस सप्ताह दो और जीत हासिल की हैं। वह कैरोलिन मुचोवा के खिलाफ तीसरी जीत की कोशिश करेंगी, जिनसे वह डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर 1-0 से आगे हैं।

एंड्रीवा ने 2025 में दुबई और इंडियन वेल्स के बाद, अपने करियर में तीसरी बार एक ही इवेंट में कई टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने दोनों टूर्नामेंट में टाइटल जीता था। हार के बावजूद, सबालेंका सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई हैं। वह और स्वितोलिना शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल स्पॉट के लिए खेलेंगी, जब स्वितोलिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मुचोवा को हराया था। इस बीच, एलिना स्वितोलिना ने कैरोलिना मुचोवा को 3-6, 6-2, 6-2 से हराया और शुक्रवार को सबालेंका के खिलाफ ग्रुप स्टेज के फाइनल में सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका मिलेगा। स्वितोलिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपनी 11वीं जीत हासिल की है और 2019 के बाद यह उनकी पहली जीत है। वह तीन सेट के मैचों में डब्ल्यूटीए फाइनल्स में भी 6-1 से आगे हैं। हालांकि, एंड्रीवा की जीत के कारण मुचोवा इस कॉम्पिटिशन में 0-2 से हार गईं और सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गईं।

# ब्रेट रैंडेल को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पहली बार न्यूजीलैंड टीम में शामिल किया गया

**वेलिंगटन (एजेंसी)**



तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को भारत के खिलाफ चौथे और पांचवें वनडे के न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पहली बार कीवी टीम में मौका मिला है। 31 साल के दाएं हाथ के इस गेंदबाज के नाम 145 प्रोफेशनल मैच हैं, जिसमें न्यूजीलैंड ए के लिए पांच मैच शामिल हैं, और वह हाल ही में डर्बीशायर के साथ काउंटी चैंपियनशिप खेलकर लौटे हैं।

हेड कोच रॉब वाल्टर ने रैंडेल को उनके इंटरनेशनल सिलेक्शन पर बधाई दी। वाल्टर ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को पहली बार इंटरनेशनल टीम में शामिल किया जाता है तो यह हमेशा एक खास समय होता है। हम ब्रेट के लिए बहुत खुश हैं। वह पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने यह मौका हासिल किया है। इस बीच, न्यूजीलैंड ने जोश क्लार्कसन को भी सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच के लिए वापस बुलाया है। क्लार्कसन ने छह वनडे मैचों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया है। वह आखिरी बार इस साल अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ नेशनल टीम के लिए खेले थे। वाल्टर ने कहा, पूरी सीरीज में कुछ बदलाव हुए हैं, इसलिए हम खुशकिस्मत हैं कि हम ब्रेट और जोश को ला पाए। इसके अलावा, मिच रेनविक और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच कोरी माइलीज चौथे और पांचवें वनडे मैच के लिए वाल्टर और मार्टिन गप्टिल के साथ जुड़ेंगे, जबकि न्यूजीलैंड के बॉलिंग कोच जैकब ओरम, बैटिंग कोच ल्यूक रोंची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच क्रिस डेनाल्डसन टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वेलिंगटन चले गए हैं। भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। सीरीज का तीसरा मैच बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया था। चौथा वनडे शुक्रवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में होना है। पांचवां वनडे इसी मैदान पर रविवार को खेला जाएगा।

**न्यूजीलैंड की अपडेटेड वनडे टीम**

चौथा वनडेः मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट, विल यंग।

पांचवां वनडेः मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

# रोनाल्डिन्हो 11 साल बाद कर रहे पेशेवर फुटबॉल में वापसी

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



ब्राजील के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो करीब एक दशक तक पेशेवर फुटबॉल से दूर रहने के बाद फिर से मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। 46 साल के रोनाल्डिन्हो इटली के थर्ड टियर में रेवेना एफसी के लिए खेलेंगे। रोनाल्डिन्हो 15 नवंबर को फोर्ली के खिलाफ सीरी सी डर्बी में रेवेना के लिए खेलते हुए दिखेंगे। क्लब ने रोनाल्डिन्हो की वापसी की तारीख अक्टूबर में ही कन्फर्म किया था। रोनाल्डिन्हो रेवेना एफसी के साथ एक खिलाड़ी और एक शेयरहोल्डर के तौर पर जुड़ रहे हैं। ब्राजील के इस दिग्गज ने जून में इटैलियन क्लब के लिए साइन किया था और बाद में टीम में हिस्सेदारी खरीदी। वर्ष 2015 में पेशेवर फुटबॉल में ब्राजीलियन क्लब फ्लूमिनेंस के लिए आखिरी बार खेलने वाले रोनाल्डिन्हो ने 2018 में आधिकारिक तौर पर संन्यास लिया था। संन्यास से वापसी के बाद रोनाल्डिन्हो के नाम एक बड़ी उपलब्धि जुड़ सकती है। पेशेवर फुटबॉल में उनके नाम 299 गोल दर्ज हैं। एक और गोल मारते ही उनके नाम 300 गोल दर्ज हो जाएंगे। क्लब रेवेना ने ऐलान किया है कि पेशेवर फुटबॉल में रोनाल्डिन्हो की वापसी दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों का ध्यान स्टेडियम की तरफ खींचेगी, साथ ही क्लब की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। रोनाल्डिन्हो भी फील्ड पर उतरने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह फिर से बॉल के साथ खेलने और क्लब के साथ एक नई कहानी लिखने का इंतजार नहीं कर सकते। फुटबॉल हमेशा से मेरे लिए खुशी का विषय रहा है और रेवेना में, मैं वही भावना लाने की उम्मीद करता हूं। 1999 से 2013 तक ब्राजील फुटबॉल टीम के लिए खेलने वाले रोनाल्डिन्हो ने 97 मैचों में 33 गोल किए थे। वह 2002 में फीफा विश्व कप फुटबॉल जीतने वाली ब्राजील टीम का हिस्सा थे। पेशेवर करियर में रोनाल्डिन्हो पेरिस सेंट जर्मेन, बार्सिलोना, एसी मिलान जैसे बड़े क्लबों का हिस्सा रहे हैं। अपनी ड्रिब्लिंग, क्रिएटिविटी, जबरदस्त स्किल्स और खास मुस्कान से फैंस को हैरान करने वाले इस खिलाड़ी ने बार्सिलोना में शानदार प्रदर्शन के बाद 2005 में बैलन डी'ओर जीता था। 2000 के दशक के बीच बार्सिलोना क्लब को मशहूर बनाने में उनका अहम योगदान रहा था। उनके रहते क्लब ने दो ला लीगा खिताब और 2006 में यूईएफए चैंपियंस लीग जीती थी।

# वर्ल्ड टेनिस लीग सीजन 5 का आयोजन 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होगा

**बेंगलुरु (एजेंसी)**



वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का सीजन पांच, 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होगा। यह टूर्नामेंट केएसएलटीए, एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें भारत के टॉप खिलाड़ियों के साथ-साथ जाने-माने इंटरनेशनल स्टार्स भी हिस्सा लेंगे। सीजन 5 में एक बार फिर जाने-माने इंटरनेशनल स्टार्स और उभरते हुए टैलेंट का रोमांचक मिश्रण होगा। पिछले सीजन के कई खिलाड़ी जो वापस लौटे हैं, उनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रीवल्ली भामिदिपति शामिल हैं, जो आने वाले एडिशन के लिए डब्ल्यूटीएल कोर्ट पर वापस आएंगे। वर्ल्ड टेनिस लीग के को-फाउंडर महेश भूपति ने कहा, पिछला सीजन वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक रोमांचक चैप्टर था, जिसमें इंटरनेशनल टैलेंट और भारतीय खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण एक साथ आकर कुछ यादगार टेनिस पेश कर रहा था। फैन्स से मिले रिस्पॉन्स और कॉम्पिटिशन के आस-पास की ऊर्जा ने एक खास ग्लोबल टेनिस प्रॉपर्टी बनाने के हमारे विजन को और मजबूत किया। जैसे-जैसे हम सीजन 5 में आगे बढ़ रहे हैं, हम उस मोमेंटम को बनाए रखना चाहते हैं। लीग को नए दर्शकों तक ले जाना चाहते हैं और हर एडिशन के साथ इसका स्तर और बढ़ाना चाहते हैं। वर्ल्ड टेनिस लीग की को-फाउंडर हेमाली शर्मा ने कहा, हम वर्ल्ड टेनिस लीग को बेंगलुरु में वापस लाकर बहुत खुश हैं।

# 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में कियारा आडवाणी की 2,68,800 रुपये की लाल ड्रेस ने खींचा सबका ध्यान



बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री कियारा आडवाणी हाल ही में चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' सीजन 9 के काउच पर बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं। रेड-कार्पेट जैसे इस लुक में कियारा ने अपनी स्टनिंग ड्रेस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शो के दौरान उनकी लाल रंग की डिजाइनर ड्रेस और उसकी एक खास डिटेल ने सोशल मीडिया से लेकर फैशन गलियारों तक खूब सुर्खियां बटोरीं। अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस शो में पहुंचीं कियारा का यह मैटरनिटी फैशन वाकई बेहद खास और यादगार बन गया है। एक्ट्रेस एक शानदार लाल ड्रेस में नजर आईं, जिसमें उनके बेबी बंप के पास एक सिल्वर स्टार लगा था। यह उनके मैटरनिटी फैशन का एक यादगार पल बन गया। अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शो में पहुंचीं कियारा ने लंदन के डिजाइनर लेबल 'डेविड कोमा' की 'क्रिस्टल स्टार एंड स्कार्फ मिडी ड्रेस' चुनी। इस ड्रेस का डिजाइन ऐसा है जो शरीर पर खूबसूरती से फिट बैठता है, साथ ही इसमें शानदार ड्रेपिंग और एसिमेट्रिक हेमलाइन (ऊपर-नीचे किनारा) दी गई है। नेकलाइन पर लगा स्कार्फ इसके डिजाइन को और भी खास बनाता है, जबकि हिप के पास लगा क्रिस्टल जड़ा सिल्वर स्टार इसका मुख्य आकर्षण है। इस ड्रेस में कमर के पास गैदर्ड (चुन्नटदार) डिजाइन और जांघ तक एक लंबा स्लिट (कट) है, जो इसे एक शानदार लुक देता है। एक लंबा स्कार्फ जैसा पैनल साइड से नीचे की ओर आता है, जो ड्रेस के लुक में एक और लेयर जोड़ता है। कियारा ने गहरा लाल रंग चुना है, जिससे ड्रेस की सजावट बिना किसी अतिरिक्त तामझाम के ही उभर कर सामने आती है। यह एक लग्जरी ड्रेस है। स्क्रीनशॉट में दिख रही जानकारी के अनुसार, इसकी कीमत 2,68,800 रुपये है। इसी जानकारी में बताया गया है कि यह यूके में बनी एक लाल 'फ्लुइड जर्सी' ड्रेस है, जिसमें क्रिस्टल जड़ा सिल्वर स्टार लगा है और पीछे की तरफ ज़िप दी गई है। यह डिजाइन इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे एक छोटी सी सजावट पूरी ड्रेस की मुख्य पहचान बन सकती है। **(एजेंसी)**

# खुशी कपूर ने पापा बोनी कपूर को बर्थडे पर किया विश, जाह्नवी कपूर का फनी कमेंट वायरल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने पिता, फिल्म निर्माता बोनी कपूर के जन्मदिन के खास मौके पर, अपनी बहन खुशी कपूर द्वारा दी गई दिल छू लेने वाली बधाई का एक मजेदार जवाब दिया है। खुशी ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के लिए अपना प्यार जाहिर किया और एक प्यारा सा नोट लिखकर उनके द्वारा अपने लिए किए गए सभी कामों के लिए आभार जताया। एक तस्वीर शेयर करते हुए खुशी ने लिखा, पापा, मैं आपसे दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार करती हूं। आपने मेरे लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। उन्होंने एक पुराना वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उनके बचपन का एक पल नजर आ रहा है। इस क्लिप में, वह जाह्नवी के साथ अपने पिता की गोद में बैठी हैं और दोनों बहनें मुस्कुरा रही हैं। 'धड़क' फेम एक्ट्रेस ने खुशी की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया और एक मजेदार कमेंट करते हुए अपनी छोटी बहन को उसके बचपन की शरारतों के लिए छेड़ा। उन्होंने लिखा, खुशी कपूर, क्या तुम पैदा होने के बाद से ही खतरनाक और शरारती प्लान बना रही हो?



और मैं किसके लिए नखरे और नौटंकी कर रही थी? दोनों बहनों के बीच की यह प्यारी और चंचल बॉन्डिंग तब देखने को मिली, जब वे अपने पिता का जन्मदिन मनाने के लिए एक साथ आईं। अर्जुन कपूर ने भी सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अपने पिता बोनी कपूर को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने बोनी कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन का एक मजेदार वीडियो रीशेयर किया, जिसे 'ओरी' ने अपलोड किया था। उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे डैड! हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। हमेशा ओरी की तरह ही जवान बने रहना...। इस क्लिप में बोनी कपूर को अपने परिवार और दोस्तों के साथ 'बीके' (बोनी कपूर) थीम वाली बर्थडे पार्टी में खूब मस्ती करते देखा गया। उनके बच्चों - अर्जुन, खुशी और अंशुला के अलावा, फिल्म इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां भी इस जश्न का हिस्सा बनीं, जिनमें फिल्ममेकर राकेश रोशन, जावेद अख्तर और शबाना आजमी शामिल थे। जाह्नवी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया और उनके भाई वीर पहाड़िया भी अन्य मेहमानों के साथ इस पार्टी में नजर आए। **(एजेंसी)**



# पहले भी कई बार विवादों में घिर चुकी हैं करीना कपूर, कब-कब मचा बवाल

अभिनेत्री करीना कपूर खान का फिल्मी सफर जितना शानदार और सफर रहा है, उतनी ही उनकी यात्रा सुर्खियों और विवादों से भी घिरी रही हैं। उन्होंने अपने बिंदास अंदाज और बयानों से कई बार अनजाने में ही बड़े बवंडर खड़े किए हैं। कई बार ऐसा हुआ जब उनका एक साधारण सा बयान, लुक्स या फिर सिर्फ उनका अंदाज भारी विवादों में जुड़ जाता है। फिल्म 'कुर्बान' का पोस्टर (2009): साल 2009 में फिल्म 'कुर्बान' के एक बोल्ड पोस्टर को लेकर शिवसेना और विभिन्न हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध जताया था। उनका कहना था कि यह पोस्टर महाराष्ट्र की संस्कृति के खिलाफ है। विरोध प्रदर्शन के दौरान शिवसैनिक करीना कपूर के घर की ओर बढ़े ताकि उन्हें ओढ़ने के लिए साड़ी भेंट कर सकें लेकिन रास्ते में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। हालांकि, इस विवाद के बाद अभिनेत्री का बयान भी सामने आया था। उनका कहना था कि यह तस्वीर फिल्म की थीम (जो आतंकवाद और गहरे जज्बात पर आधारित है) से जुड़ी हुई है और इसमें कुछ भी अश्लील या वल्गर नहीं है। ताज होटल विवाद (2012): 22 फरवरी को मुंबई के कोलाबा स्थित ताज होटल के 'वासाबी रेस्टोरेंट' में सैफ अली खान, करीना कपूर, करिश्मा कपूर और उनके कुछ दोस्त मौजूद थे। वहां पास की टेबल पर बैठे साउथ अफ्रीका के एनआरआई उद्योगपति इकबाल मीर शर्मा ने ज्यादा शोर-शराबे को लेकर आपत्ति जताई थी। इस बात पर सैफ अली खान और इकबाल शर्मा के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद सैफ अली खान पर मारपीट का आरोप लगा। पुलिस ने सैफ और उनके दोस्तों को गिरफ्तार भी किया था, जिन्हें बाद में जमानत मिल गई। 'लव जिहाद' अभियान से जुड़ा मामला: जनवरी 2015 में उत्तर भारत में दुर्गा वाहिनी द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'हिमालय ध्वनि' के कवर पर करीना कपूर की एक संपादित (मॉर्फ्ड) तस्वीर छपी थी। इस तस्वीर में उनका आधा चेहरा सामान्य और आधा चेहरा बुर्के से ढका हुआ दिखाया गया था। पत्रिका में इस तस्वीर के नीचे 'धर्मांतरण से राष्ट्रांतरण' की पंक्ति लिखी गई थी। दुर्गा वाहिनी की उत्तर भारत संयोजक और पत्रिका की संपादक रजनी ठुकराल के अनुसार, यह अभियान उन हिंदू लड़कियों की 'घर वापसी' के लिए था जिन्होंने मुस्लिम युवकों से शादी की थी। मालाबार गोल्ड का विज्ञापन और बिंदी विवाद (अक्षय तृतीया): अप्रैल 2022 में अक्षय तृतीया के अवसर पर ज्वैलरी ब्रांड मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स द्वारा जारी किए गए एक विज्ञापन में बॉलीवुड करीना कपूर के माथे पर बिंदी न होने के कारण सोशल मीडिया पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। अक्षय तृतीया के मौके पर जारी किए गए इस विज्ञापन में करीना कपूर पारंपरिक गुलाबी लहंगे, हीरे का हार, बड़े झुमके और मांगटीका पहने नजर आईं थीं लेकिन उनके माथे पर बिंदी नहीं थी।कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे हिंदू परंपराओं और रीति-रिवाजों की अनदेखी करार दिया। **(एजेंसी)**



# दूसरों पर पत्थर मत फेंको... एक्स-हसबैंड पवन कल्याण के तलाक पर रेणु देसाई ने ट्रोल्स की लगाई क्लास

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में पवन कल्याण और उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर शादी के 13 साल बाद तलाक का ऐलान किया। दोनों ने साल 2013 में शादी की थी। इस बड़े फैसले के बाद जहां सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें हो रही हैं, वहीं अब पवन कल्याण की पूर्व पत्नी रेणु देसाई उनके समर्थन में खुलकर सामने आई हैं।

**रेणु देसाई ने ट्रोल्स को दिया करारा जवाब**

पवन कल्याण और अन्ना के अलग होने की खबर के बीच रेणु देसाई ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना लोगों को संवेदनशीलता बरतने की नसीहत दी। रेणु ने लिखा, जब कोई इंसान पहले से ही मुश्किल दौर से गुजर रहा हो, तो ऐसे वक्त में उसकी आलोचना करना या ताने मारना बिल्कुल गलत है। जो पहले से दर्द में है, उसे और चोट पहुंचाना इंसानियत नहीं है। इंसान का स्टेटस या पहचान चाहे जो भी हो, यह नहीं भूलना चाहिए कि आखिर में वह भी एक इंसान है, किसी का बच्चा, किसी का माता-पिता या किसी का भाई-बहन। उन्होंने आगे कहा, दूसरों के घरों पर पत्थर फेंकने से पहले हमें खुद को देखना चाहिए, क्योंकि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता। हम सभी गलतियां करते हैं। **(एजेंसी)**

# मुक्त व्यापार समझौतों का इस्तेमाल संयुक्त उद्यम बनाने, निवेश के अवसर तलाशने में करें : मुकुंदन

**विशाखापत्तनम (एजेंसी)**

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने घरेलू उद्योग जगत से भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का इस्तेमाल संयुक्त उद्यम बनाने, निवेश के अवसर तलाशने और दीर्घकालिक कारोबारी साझेदारियां विकसित करने के लिए करने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया।

यहां सीआईआई के साझेदारी सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की ऊंची कीमतों तथा व्यापार में अनिश्चितता का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल पक्ष बना हुआ है और वह पिछले तीन



वित्त वर्षों में सात प्रतिशत से अधिक की दर से वृद्धि कर रहा है। मुकुंदन ने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बढ़ता दायरा जिसमें न्यूजीलैंड, ब्रिटेन तथा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ हाल के समझौते शामिल हैं, और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते की संभावित घोषणा से इस गति को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'एफटीए का हमारा बढ़ता दायरा गहरे आर्थिक जुड़ाव के लिए मजबूत आधार उपलब्ध कराता है।

मैं भाग लेने वाले देशों के कारोबारियों से इन समझौतों का इस्तेमाल संयुक्त उद्यम बनाने, निवेश के अवसर तलाशने, सीमापार मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने और दीर्घकालिक कारोबारी साझेदारियां विकसित करने के लिए करने का आग्रह करता हूं।' उन्होंने कहा कि सरकार 'भारत में एआई बनाने और भारत के लिए एआई का इस्तेमाल' करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में उद्योग जगत को कृत्रिम मेधा (एआई), नैनो प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी सहित उभरती प्रौद्योगिकियों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना चाहिए।

इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और जिम्मेदार एआई संचालन के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'एक-दूसरे के साथ काम करने में सक्षम डिजिटल भुगतान प्रणालियां निर्बाध और कम लागत वाले सीमापार लेनदेन को और आसान बना सकती हैं तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे सकती हैं।' नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर सीआईआई अध्यक्ष ने कहा कि भारत की स्थापित बिजली क्षमता में अब 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी गैर-जीवाश्म स्रोतों की है।

# रिन्यू की आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना

**विशाखापत्तनम (एजेंसी)**

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने आंध्र प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी दो परियोजनाओं में 29,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुमंत सिन्हा के बीच बृहस्पतिवार को यहां हुई बैठक के दौरान यह घोषणा की गई।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, 'रिन्यू ने दो प्रमुख परियोजनाओं के जरिये आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इनमें दो गीगावाट की पंप्ड स्टोरेज परियोजना और हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन परियोजना शामिल हैं।' प्रस्तावित निवेश में दो गीगावाट की पंप्ड स्टोरेज परियोजना के लिए 12,500 करोड़ रुपये और हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन परियोजना के लिए 17,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। लोकेश ने रिन्यू को उसकी 11,000 करोड़ रुपये की पॉलीसिलिकॉन और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकॉन परियोजना के लिए बधाई भी दी।

उन्होंने कंपनी को आईआईटी तिरुपति और न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय (यूएनएसडब्ल्यू) द्वारा स्थापित किए जा रहे सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया। गौरतलब है कि 31वां सीआईआई साझेदारी सम्मेलन 12 और 13 नवंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित किया जा रहा है। इसमें करीब 58 देशों के प्रतिनिधि निवेश के अवसरों और वैश्विक साझेदारियों की संभावनाएं तलाशने के लिए शामिल होंगे।

# जापान ने आंध्र प्रदेश से दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का किया आग्रह

**विशाखापत्तनम (एजेंसी)**

जापान के राजदूत केईची ओनो के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल ने आंध्र प्रदेश सरकार से जापान को दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। ओनो और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बीच बुधवार को विशाखापत्तनम में हुई बैठक के दौरान यह मुद्दा उठा। यह बैठक 12 और 13 नवंबर को विशाखापत्तनम में होने वाले सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) साझेदारी सम्मेलन से पहले हुई। आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से बुधवार देर रात जारी आधिकारिक प्रेस



विज्ञप्ति में कहा गया, 'जापानी प्रतिनिधियों ने जापान को दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी को और मजबूत करने में मदद करेगा।' यह कूटनीतिक पहल आंध्र प्रदेश की तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) नीत सरकार की राज्य के तटीय क्षेत्र को 'दुर्लभ खनिज तत्व गलियारे' के रूप में विकसित करने के प्रयासों के अनुरूप है। राज्य के खान मंत्री के रविंद्र ने हाल ही में बताया था कि राज्य में 16,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 16 तरह के खनिज भंडार की पहचान की गई है। आंध्र प्रदेश खनिज विकास निगम (एपीएमडीसी) के अनुसार, देश के समुद्र तटीय रेत खनिज भंडार में राज्य की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत है। भारत में इन खनिजों का दूसरा सबसे बड़ा भंडार आंध्र प्रदेश में है।

# सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी गिरावट

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,150 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी के भाव में आज शुरुआती कारोबार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा



बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।